राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार ,19 सितंबर-2021 वर्ष-4,अंक-238 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुंबई पुलिस ने भी एक संदिग्ध को किया गिरफ्तार, दिल्ली पुलिस द्वारा पकड़े गए छह आतंकियों से जुड़े हैं तार

मुंबई। देश में बड़े बम धमाकों की साजिश धीरे-धीरे नाकाम हो रही है। शनिवार को मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच व महाराष्ट्र एटीएस की टीम ने जोगेश्वरी इलाके से एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि इस संदिग्ध आतंकी के तार भी उसी आतंकी माड्यूल से जुड़े हैं, जिसके छह आतंकियों को इसी सप्ताह गिरफ्तार करके दिल्ली पुलिस ने बड़ी साजिश का भंडाफोड किया था। बता दें, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मंगलवार को पाकिस्तान प्रायोजित एक बड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए छह संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया था। इसमें एक महाराष्ट्र, एक दिल्ली और चार युवक यूपी के लखनऊ, बहराइच, रायबरेली और प्रयागराज के रहने वाले हैं।

पाकिस्तान से प्रायोजित था आतंकी मॉड्यूल

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आतंकियों की गिरफ्तारी के बाद बताया था कि यह मॉड्यूल पाक से प्रायोजित था। सीमा पार से आईईडी की व्यवस्था की गई थी। इस मॉड्यूल को एक स्लीपर सेल संचालक के द्वारा आरडीएक्स आधारित बम, पिस्तौल और कारतूस सप्लाई किए जा चुके थे। दिल्ली से मुंबई और देश के अन्य हिस्सों में अन्य आतंकी गुर्गों को यह विस्फोटक सौंपे जाने थे। इसके बदले इन लोगों को हवाला के जरिए पैसे दिए जाने थे।

आईएसआई से सीधे संपर्क में था प्रयागराज का हुमैद-जांच एजेंसियों को अहम जानकारियां मिली हैं। पता चला है कि पता चला है कि आातंकी मॉड्यूल का मास्टरमाइंड प्रयागराज का रहने वाला हुमैद उर रहमान पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के सीधे संपर्क में था। अब तक कि जांच में लगभग साफ हो गया है कि उसने ही दिल्ली में रहने वाले अपने भतीजे ओसाम उर्फ शामी और करेली के जीशान कमर को मस्कट भेजकर आईएसआई एजेंटों से मिलवाया।

मुंबई में अलर्ट जारी, आतंकी ट्रेन में गैस अटैक और यात्रियों पर कर सकते हैं हमला

मुंबई- दिल्ली स्पेशल सेल की ओर से 6 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार करने के बाद मुंबई को भी हाई अलर्ट कर दिया गया है। दरअसल, इनमें से एक आरोपी मुंबई के धारावी इलाके का रहने वाला है। दिल्ली स्पेशल सेल के सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी मुंबई की लोकल ट्रेन समेत देश के अलग-अलग इलाकों में आतंकी साज़िश को अंजाम देना चाहते थे। सूत्रों ने यह भी बताया है कि रेलवे पुलिस यानी की जीआरपी को एजेंसियों से संभावित आतंकी हमले की जानकारी भी मिली थी।

अब खुफिया एजेंसियों ने जीआरपी को आगाह किया है कि जिसके तहत आतंकी ट्रेन में गैस अटैक या फिर प्लेटफ़ोर्म पर होने वाली यात्रियों की भीड़ को गाड़ी से रौंद सकते हैं। दिल्ली पुलिस की करवाई के बाद जीआरपी ने मुंबई के सभी बड़े रेलवे स्टेशन की सुरक्षा बढ़ा

दी है और कुछ एंट्री और एग्ज़िट के रास्ते भी बंद कर दिए गए हैं।

जीआरपी ने लाइव मोकड्रिल करना शुरू किया

वहीं सुरक्षा को मद्देनज़र रखते हुए जीआरपी ने लाइव मोकड्रिल करना शुरू कर दिया है, इसमें अधिकारी को यह सीखने मिलता है कि आतंकी हमले के दौरान कैसे यात्रियों को बचाना है और उन्हें पकड़ना है। जीआरपी ने अतिरिक्त पुलिस बल बड़े रेलवे स्टेशन पर तैनात किया है और जीआरपी नेशनल सिक्योरिटी गार्ड समेत दूसरी एजेंसियों के भी सम्पर्क में है। जीआरपी कमिश्नर कैसर ख़ालिद ने आदेश दिया है कि रेलवे स्टेशन पर हर समय पुलिस की मौजूदगी दिखाई देनी चाहिए। इसके अलावा समय समय लार बोम और डॉग स्कोड की भी पेट्रोलिंग होते रहनी चाहिए, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटा जा सके। जीआरपी ने हर उस जगह बैरिकेड्स और स्पीड ब्रेकर लगाए हैं, जहां से कोई भी गाड़ी प्लेटफ़ोर्म पर जा सकती है। आतंकियों का आतंक फैलाने का यह सबसे सरल तारिका है, जिससे ज़्यादा से ज़्यादा लोगों की मौतें होती है।

पूरे रेलवे में कुल 6 से 7 हज़ार सीसीटीवी कैमरे लगे हैं

अब खुफिया एजेंसियों ने जीआरपी को आगाह किया है कि जिसके तहत आतंकी ट्रेन में गैस अटैक या फिर प्लेटफ़ोर्म पर होने वाली यात्रियों की भीड़ को गाड़ी से रौंद सकते हैं। दिल्ली पुलिस की करवाई के बाद जीआरपी ने मुंबई के सभी बड़े रेलवे स्टेशन की सुरक्षा बढ़ा दी है और कुछ एंट्री और एग्ज़िट के रास्ते भी बंद कर दिए गए हैं।

इसके अलावा जीआरपी उन तमाम जगह की जांच कर रहा है, जो रेलवे से नज़दीक है या प्लेटफ़ोर्म पर है, जहां पर गैस सिलिंडर का इस्तेमाल किया जाता है। रेलवे पुलिस अब पार्सल बुकिंग पर भी ध्यान दे रही है और जांच कर रही है। जीआरपी अधिकारी की माने तो पूरे रेलवे में कुल 6 से 7 हज़ार सीसीटीवी कैमरे लगे हैं।

भारत में भोले-भाले युवाओं को

इंटरनेट के जरिए बरगला रहा है आतंकी संगठन आइएस-एनआइए

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने आतंकी हमलों, साजिश और फंडिंग के 37 मामलों में उसने अभी तक 168 लोगों को गिरफ्तार किया है। देश में इस्लामिक स्टेट (आइएस) की विचारधारा से प्रेरित होकर इसे अंजाम दिया गया। जांच एजेंसी ने कहा कि आतंकी संगठन इंटरनेट मीडिया के माध्यम से भोले -भाले युवकों को बरगला रहा है। एनआइए ने कहा कि 31 मामलों में आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। सबसे नया मामला जून में दर्ज किया गया और सुनवाई के बाद 27 आरोपित दोषी ठहराए जा चुके हैं। जांच एजेंसी के प्रवक्ता ने कहा, एनआइए द्वारा जांच में उजागर हुआ है कि आइएस भारत में लगातार आनलाइन दुष्प्रचार के माध्यम से अपनी विचारधारा के प्रचार में जुटा है। फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम जैसे इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर उसके निशाने पर भोले युवक होते हैं। एनआइए ने लोगों से इंटरनेट पर ऐसी किसी गतिविधि में शामिल न होने की अपील की है।

देश में दिल्ली आतंकी माड्यूल का भंडाफोड़-दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बीते मंगलवार यानि 14 सितंबर को पाकिस्तान-संगठित आतंकी माड्यूल का भंडाफोड़ कर, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा प्रशिक्षित आतंकवादियों समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया था। ये आतंकवादी देश में आगामी त्योहारों के दौरान कई विस्फोट करने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने कहा था कि पाकिस्तान स्थित अनीस इब्राहिम, जो दाऊद इब्राहिम का भाई है, आतंकी योजना को अंजाम देने के लिए अंडरवर्ल्ड के गुर्गों से जुड़ा था। उन्होंने कहा कि पूछताछ से पता चला है कि पाकिस्तान के आतंकी मॉड्यूल को दो घटकों अंडरवर्ल्ड और पाक-आईएसआई प्रशिक्षित आतंकी माड्यूल के माध्यम से संचालित किया जा रहा था।

देश में कम हो रहे शोध, आवंटित धन का 90 फीसदी हिस्सा मात्र 10 फीसदी छात्रों पर खर्च

नई दिल्ली। सीआईआई लाइफसाइंसेज के कॉनक्लेव में देश के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार के विजय राघवन ने बताया कि देश में अनुसंधान सहायता का 90 फीसदी हिस्सा उन प्रयोगशालाओं को जाता है, जहां हमारे 10 फीसदी छात्र जाते हैं, जबकि 90 फीसदी छात्र ऐसे विश्वविद्यालयों या कॉलेजों में जाते हैं, जो प्रमुख शोध संस्थानों के बेहद करीब हैं, लेकन वहां बहुत कम शोध होता है।

राघवन ने कहा, देश में अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र का व्यापक विस्तार हुआ है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीओबी), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग और वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) जैसे तमाम बेहतरीन शोध संस्थान देश में मौजूद हैं। इन संस्थानों के पास विशाल बौद्धिक, भौतिक और अन्य बुनियादी संसाधन व क्षमताएं हैं, जिनका लाभ देश को उठाना होगा। देश में शोध को बढ़ावा देने का आसान समाधान बताते हुए उन्होंने कहा, देश के तमाम बेहतरीन शोध संस्थानों के संसाधनों

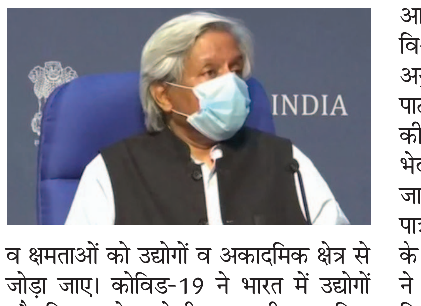

व क्षमताओं को उद्योगों व अकादमिक क्षेत्र से जोड़ा जाए। कोविड-19 ने भारत में उद्योगों और विज्ञान को पहले ही बहुत करीब कर दिया है, अब आगे मिलकर काम करने की जरूरत है। आगे कहा कि भारत जितने विशाल स्तर पर यह कर सकता है, इसके लिए बेवजह के बाध्यकारी नियम-कानूनों को खत्म किए जाने की जरूरत है। अकादमिक, उद्योग व शोध के क्षेत्र में सुधार एक सतत प्रक्रिया है।

यूजीसी का आदेश, स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अनुप्रयुक्त गणित को गणित के बराबर माना जाए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देशभर के सभी विश्वविद्यालयों को आदेश दिया है कि 12वीं में अनुप्रयुक्त गणित पढ़ने वाले छात्रों को स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के दौरान गणित के छात्रों की तरह ही माना जाए और बिना किसी भेदभाव के उन पाठ्यक्रमों में दाखिला दिया जाए, जिनमें गणित के छात्र दाखिले के लिए पात्र होते हैं। यूजीसी ने यह आदेश सीबीएसई के अनुरोध के बाद जारी किया है। सीबीएसई ने यूजीसी को बताया था कि कुछ विश्वविद्यालयों ने अर्थशास्त्र, वाणिज्य व समाज विज्ञान में दाखिले के लिए 12वीं में गणित विषय के अध्ययन को अनिवार्य बना रखा है। यूजीसी के सचिव रजनीश जैन ने देशभर के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को पत्र लिखकर यह आदेश जारी किए हैं।

दिल्ली-एनसीआर में अगले एक हफ्ते फिर चलेगा बारिश का दौर

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में अभी बारिश का दौर भले ही रुक गया हो लेकिन, अभी बारिश से लोगों को राहत नहीं मिलने वाली है। माना जा रहा है कि अगले एक हफ्ते तक दिल्ली में फिर से बारिश का दौरा शुरू होगा। अभी फिलहाल राजधानी में बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश के आसार बने हुए हैं। मौसम विभाग के अनुसार अभी एक सप्ताह तक दिल्ली हल्की बारिश हो सकती है। वहीं पंजाब में मौसम विभाग के माहिरों का तर्क है कि अगले दो दिन तक मानसून सक्रिय रहेगा और बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। जम्मू कश्मीर में लौटते मानसून के चलते बुधवार तक यहां पर बारिश के आसार बन रहे हैं। बता दें कि इस बारिश का किसानों को बेसब्री से इंतजार हैं। वहीं हिमाचल प्रदेश में आज कुछ क्षेत्रों में बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने 19, 20 व 21 को प्रदेश में कई स्थानों पर आंधी और भारी बारिश को लेकर यलो भी अलर्ट जारी किया है।

वातावरण में आ रही नमी, बन रहा कम दबाव का क्षेत्र-मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर मध्य प्रदेश पर बना कम दबाव का क्षेत्र पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। यही वजह है कि वातावरण में नमी आ रही है, जिसकी वजह से पश्चिम यूपी और दिल्ली एनसीआर में अगले 7 दिनों तक भारी बारिश का अनुमान जताया गया है।

बता दें कि देश के कई राज्यों में बारिश के चलते बाढ़ के हालात बने हुए हैं। जिसके चलते उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों में स्थिति ज्यादा खराब हो गई है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर प्रदेश के 30 से अधिक जिलों के लिए 17 से 20 सितंबर तक के लिए चेतावनी जारी की गई है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इन जिलों में अगले तीन दिन भारी बारिश की संभावना हैं। कई जिलों में 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।

कोरोना वायरस का खतरा दस गुना घटाती है बूस्टर डोज, स्टडी में खुलासा

नई दिल्ली। एक इजरायली अध्ययन की मानें तो फाइजर के टीके की बूस्टर डोज बुजुर्गों में कोरोना संक्रमण का खतरा 10 गुना से अधिक घटाती है। न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित अध्ययन में पाया गया कि संक्रमण और गंभीर कोविड के मामले उन लोगों में काफी कम थे, जिन्हें फाइजर के टीके की बूस्टर डोज मिली थी। अध्ययन के लिए लोगों को दो समूहों, बूस्टर और गैर बूस्टर समूह में बांटा गया था। अध्ययन के मुताबिक, पुष्ट संक्रमण की दर गैर-बूस्टर समूह की तुलना में बूस्टर समूह में 11.3 के कारक से कम थी। यह भी पाया गया कि गंभीर संक्रमण की दर लगभग 20 गुना या 19.5 के कारक से कम हो गई थी। अध्ययन 60 वर्ष से अधिक आयु के लगभग 11 लाख इज़राइलियों के आधिकारिक आंकड़ों की समीक्षा पर आधारित है। इन्हें दो समूहों में विभाजित किया गया था। एक तो वे जिन्हें अपनी दूसरी खुराक के पांच महीने के

भीतर बूस्टर मिला। दूसरे वे जिन्हें बूस्टर डोज नहीं मिला।

छह महीने में ही कमजोर हो सकती है टीके से मिली प्रतिरक्षा-अन्य हालिया शोध का का हवाला देते हुए अध्ययन में कहा गया है कि टीके से मिली प्रतिरक्षा दूसरी खुराक के बाद भी केवल छह महीने में ही कमजोर हो सकती है। गैर टीकाकरण वाले व्यक्तियों की तुलना में प्रतिरक्षा केवल दो बार सुरक्षा प्रदान करती है। लेकिन, बूस्टर डोज के बाद प्रभावशीलता 95त्न तक बढ़ जाती है। शोधकर्ताओं ने कहा कि उन्होंने डेटा में किसी भी संभावित पूर्वाग्रह को ठीक करने के लिए अपनी पूरी कोशिश की। उन्होंने स्वीकार किया कि उनके निष्कर्ष अकेले बेहतर प्रतिरक्षा के बजाय टीकाकरण के बाद व्यवहार परिवर्तन को दर्शा सकते हैं, क्योंकि अध्ययन ने एंटीबॉडी के स्तर को मापने का प्रयास नहीं किया और इसके बजाय आधिकारिक मामलों की गिनती पर भरोसा किया।

डब्ल्यूएचओ का जोर फिलहाल बूस्टर डोज के पक्ष में नहीं-इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने देशों से बार-बार बूस्टर डोज के लिए अपनी योजनाओं को कम करने का आग्रह किया है। क्योंकि कई विकासशील देशों को अभी तक एक भी खुराक प्राप्त नहीं हुई है। जबकि कुछ धनी देश तीसरी खुराक देने की तैयारी कर रहे हैं। इज़राइल तो चौथी खुराक के बारे में विचार कर रहा है। सप्ताह की शुरुआत में डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस एडनॉम घेबियस ने बूस्टर डोज पर वैश्विक विराम का सुझाव दिया था। साथ ही कहा था कि इससे पहले कि कोई भी देश अतिरिक्त खुराक पर विचार करे, दुनिया भर में 40 प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य प्राप्त हो जाना चाहिए।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

टीके का कीर्तिमान

भारत ने शुक्रवार को टीकाकरण के मोर्चे पर एक इतिहास रच दिया। एक दिन में दो करोड़ से अधिक लोगों को टीका लगाने का यह कीर्तिमान दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए अकल्पनीय ही होगा। जितने लोगों का भारत ने एक दिन में टीकाकरण किया है, उतने लोग दुनिया के डेढ़ सौ से ज्यादा देशों में रहते ही नहीं हैं। दो करोड़ से ज्यादा आबादी वाले करीब 60 ही देश हैं, उनमें भी टीकाकरण की रफ्तार ऐसी नहीं है, जैसी भारत में दिख रही है। भारत में जिस रफ्तार से शुक्रवार को टीकाकरण हुआ है, वही रफ्तार अगर रहे, तो भारत अपने सभी नागरिकों को 130 दिनों में ही टीके के दोनों डोज देने में सक्षम है। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर अगर रिकॉर्ड बनाने के लिए ही सही इतने बड़े पैमाने पर टीकाकरण हुआ है, तब भी यह स्वयं भारत की सामान्य व्यवस्था और चिकित्सा व्यवस्था, दोनों के लिए मिसाल है। टीकाकरण की ऐसी बेमिसाल रफ्तार साफ इशारा कर रही है कि हम कितना करने में सक्षम हैं और हम कितना कम करके अपना काम चलाते हैं। याद रहे, भारत ने अपना टीकाकरण कार्यक्रम 16 जनवरी, 2021 को शुरू किया था। पहले दिन 1,65,714 लोगों का टीकाकरण हुआ था। पहले तीन दिन में 6,31,417 लोगों को ही टीका लगाया गया था, लेकिन धीरे-धीरे टीकों की उपलब्धता बढ़ी और टीकाकरण की रफ्तार भी। आठ महीने मतलब करीब 240 दिन बीत गए। भारत में जो क्षमता है, उसके अनुसार, अभी तक टीकाकरण पूरा हो जाना चाहिए था। हालांकि, बताया यही जा रहा है कि अक्तूबर के पहले सप्ताह में भारत एक अरब लोगों को टीका देने में कामयाब हो जाएगा। अगर हमें एक अरब लोगों को टीका देने में ढाई सौ से ज्यादा दिन लग रहे हैं, तो फिर हमें टीके की उपलब्धता के साथ ही टीकाकरण में तेजी लाने की जरूरत है। विगत एक महीने में यह चौथा मौका है, जब हम एक दिन में एक करोड़ से ज्यादा लोगों को टीका देने में कामयाब रहे हैं। भारत प्रति मिनट 42 हजार या फिर प्रति सेकंड 700 लोगों को टीका लगाने में सक्षम है। शुक्रवार दोपहर होते-होते तक स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी भी संकेत देने लगे थे कि यही रफ्तार रही, तो हम एक दिन में 2.5 करोड़ लोगों को टीके दे सकते हैं। दोपहर 2-50 बजे तक 1 करोड़ 35 लाख लोगों को टीका मिल चुका था। बेशक, नेताओं का जन्मदिन मनाने का यह प्रशंसनीय तरीका है। ऐसे जन्मदिन रोज मनने चाहिए, ताकि किसी न किसी क्षेत्र में व्यवस्था कार्य का कीर्तिमान बनाए। यह आम लोगों के लिए किसी उपहार से कम नहीं है। हमारी व्यवस्था में ऐसे अभियान चलाकर लोगों की सेवा की बड़ी जरूरत है। और तो और, अभियान चलाने से पहले केंद्र और राज्य सरकारों ने यह भी सुनिश्चित कर लिया था कि टीके की कमी न पड़ जाए। यह किसी खुशखबरी से कम नहीं कि शुक्रवार को राज्यों के पास आठ करोड़ से ज्यादा खुराक मौजूद थी। शुक्रवार के अनुभव से प्रेरित होते हुए टीकाकरण को तेज करते हुए हमें यह ध्यान रखना होगा कि हम वंचितों तक मुफ्त टीके के साथ पहुंच रहे हैं या नहीं। मुफ्त सरकारी टीके और निजी टीके के बीच 780 रुपये का अंतर है। टीके के लिए अभियान का सदैव स्वागत है, लेकिन ज्यादा जरूरी है, टीका पंक्ति में खड़े अंतिम नागरिकों तक बिना परेशानी मुफ्त पहुंचे।

‘आज के ट्वीट

बुलडोजर

निर्दोष लोगों की संपत्ति व सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जा करने वालों का एक ही उपचार है - बुलडोजर।

मु. आदित्यनाथ योगी

टेलीकॉम सेक्टर में रोजगार, विकास, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता हित

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

टेलिकॉम सेक्टर में केंद्र की मोदी सरकार ने नौ बड़े सुधार करने के साथ ही अन्य पांच संरचनात्मक सुधार करने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। सरकार के इन प्रयासों से एक ओर टेलीकॉम सेक्टर में 5जी में निवेश का मार्ग प्रशस्त हुआ है, तो दूसरी तरफ नए निवेश को आकर्षित करने में मदद मिली है। इसमें भी सबसे बड़ी बात यह है कि सरकार ने टेलीकॉम सेक्टर को जो सौगात दी है उसका सरकार के खजाने पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। वस्तुतः यह एक तथ्य है कि कोरोना की मार झेल रहे भारत में टेलीकॉम सेक्टर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। डाटा खपत में भारी वृद्धि के दौरान ऑनलाइन शिक्षा का व्यापक प्रसार हुआ है। सोशल मीडिया के माध्यम से आपसी संपर्क बढ़ा है और वर्चुअल बैठकों में वृद्धि हुई है। इसके साथ ही सतत सुधारात्मक उपाय ब्रॉडबैंड और टेलीकॉम कनेक्टिविटी के प्रसार के रूप में भी देखने में सामने आए हैं । केंद्र द्वारा नौ ढाँचागत सुधार, पाँच प्रक्रिया सुधार और टेलीकॉम कंपनियों की पूँजी की तरलता सम्बन्धी आवश्यकताओं के लिए राहत उपाय की चर्चा की जाए तो ढाँचागत सुधारों में एडजस्टेड ग्रॉस रेवेनुए (एजीआर) का युक्तिकरण सबसे ऊपर दिखाई देता है। बैंक गारंटी (बीजी) को युक्तिसंगत बनाया गया है। लाइसेंस शुल्क और अन्य समान करारोपण के एवज में बैंक गारंटी आवश्यकताओं में 80 प्रतिशत तक कमी की गई है। अब अनेक बैंक गारंटी की कोई आवश्यकता नहीं रही, इसके बजाए एक ही बैंक गारंटी पर्याप्त है। ब्याज दरों को युक्ति संगत बनाने के लिए दंड हटाने की प्रक्रिया को अपनाना, एक अक्टूबर, 2021 से, लाइसेंस शुल्क, स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) के विलंबित भुगतान पर ब्याज की दर एसबीआई एमसीएलआर चार प्रतिशत के बजाय एमसीएलआर दो प्रतिशत करना , ब्याज को मासिक के बजाय सालाना करना, जुर्माना और जुर्माने पर ब्याज को हटा देना, नीलामी में किश्त भुगतान को सुरक्षित करने के लिए किसी भी बैंक गारंटी की आवश्यकता को समाप्त करना, कुछ ऐसे निर्णय हैं, जिसने कि टेलीकॉम सेक्टर में आज ऊर्जा का संचार किया है। मोदी सरकार ने नए नियमों से भविष्य की नीलामी में स्पेक्ट्रम की अवधि 20 से बढ़ाकर 30 वर्ष कर दी है। इसके साथ ही नीलामी में प्राप्त स्पेक्ट्रम के लिए 10 वर्षों के बाद स्पेक्ट्रम के सरेंडर की अनुमति भी दे दी गई है। अब भविष्य की नीलामी में प्राप्त स्पेक्ट्रम के लिए कोई स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) नहीं लिया जा रहा है । साथ ही नए संदर्भों में स्पेक्ट्रम साझेदारी को प्रोत्साहित किया जा रहा है और स्पेक्ट्रम साझेदारी के लिए 0.5 प्रतिशत का अतिरिक्त एसयूसी हटा दिया गया है। इतना ही नहीं तो नियमानुसार सभी सुरक्षा उपाय लागू करते हुए निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए ही टेलीकॉम सेक्टर में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति दे दी गई है। मोदी सरकार ने इसमें एक बड़ा सुधार यह भी किया है कि नीलामी कैलेंडर तैयार कर दिया है। आनेवाले दिनों में देखने को मिलेगा कि स्पेक्ट्रम नीलामी सामान्यतः प्रत्येक वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में आयोजित की जाएगी। व्यापार सुगमता को बढ़ावा मिले इसके लिए केंद्र सरकार ने वायरलेस उपकरण के आयात के लिए 1953के कस्टम्स नोटिफिकेशन के अंतर्गत लाइसेंस की कठिन आवश्यकता को हटा दिया है। केवाईसी सुधार में सेल्फ-केवाईसी की अनुमति दी है। ई-केवाईसी की दर को संशोधित कर केवल एक रुपया कर दिया गया है । प्री-पेड से पोस्ट-पेड और पोस्ट-पेड से प्री-पेड में स्थानांतरण के लिए नए केवाईसी की आवश्यकता को भी समाप्त कर दिया गया है। इसी तरह से देखें तो नए कस्टमर बनाए जाने के समय भरे जाने वाले फॉर्म को डेटा के डिजिटल स्टोरेज से बदल देने की तैयारी की जा रही है, इससे टेलीकॉम कंपनियों के विभिन्न गोदामों में पड़े लगभग 300-400 करोड़ कागजी फॉर्म की आवश्यकता नहीं रहेगी । टेलीकॉम टावरों की स्थापना के लिए दी जाने वाली मंजूरी की प्रक्रिया को सरल बना दिया है । दूरसंचार विभाग का पोर्टल अब सेल्फ-डिक्लेयरेशन के आधार पर आवेदन स्वीकार करेगा। टेलीकॉम कंपनियों को विदेशों से टेलिकॉम इक्विपमेंट के इंपोर्ट में भी राहत दी गई है । 1953 के कस्टम कानून में संशोधन किया जा रहा है, जिसके कि कंपनियां आसानी से टेलिकॉम इक्विपमेंट विदेशों से आयात कर सके।सरकार के इन निर्णयों का आज यदि असर देखें तो सबसे अधिक लाभ टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया को मिलने जा रहा है, जिसकी माली हालत सबसे खराब चल रही है। वोडाफोन आइडिया पर अप्रैल जून तिमाही तक 1.92 लाख करोड़ रुपये का कर्ज बकाया है। जिसमें स्पेक्ट्रम पेमेंट का 1.06 लाख करोड़ और एजीआर के रूप में 62,180 करोड़ रुपये का बकाया शामिल है। इसके अलावा वोडाफोन आइडिया पर बैंकों और वित्तीय संस्थाओं का भी 23,400 करोड़ रुपये का कर्ज बकाया है। इस समय वोडाफोन आइडिया पिछले एक साल से 25,000 करोड़ रुपये निवेशकों से जुटाने की कोशिश कर रही है। यहां अब नए टेलीकॉम नियमों के आने के बाद उम्मीद की जा सकती है कि देश में टेलीकॉम सेक्टर की अस्थिरता समाप्त होगी और निवेशक निवेश करने के लिए आसानी से आगे आएंगे। यहां हमें ध्यान रखना चाहिए कि इसका लाभ सबसे अधिक कस्टमर को मिलेगा, क्योंकि बाजार में जियो और एयरटेल की मोनोपोली (एकाधिकार) नहीं रह पाएगा । सिर्फ दो टेलिकॉम कंपनी रहती तो स्वभाविक है कि कॉल और डेटा चार्ज महंगा हो जाता, जिसका कि नुकसान ग्राहकों को ही होता, लेकिन अच्छा है सरकार प्रतिस्पर्धा के पक्ष में है। कस्टमर के पास विकल्प खुले रहेंगे तो वे जिस कंपनी की चाहे उसकी सेवा ले सकेंगे । निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज टेलीकॉम सेक्टर में कई ढाँचागत और प्रक्रिया सुधारों को मंजूरी देकर रोजगार को बचाने और नए रोजगार पैदा करने के तमाम अवसर खोल दिए हैं । इसके साथ ही सरकार के निर्णय स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसके कारण से उपभोक्ताओं के हितों की व्यापक रक्षा संभव हुई है ।

(लेखक न्यूज एजेंसी की पत्रकारिता से जुड़े हैं।)

निश्चय

श्रीराम शर्मा आचार्य

गंभीर परिस्थितियों में मन का शांत रहना इस बात का प्रतीक है कि व्यक्ति को किसी भारी व्यक्ति का सहारा मिल गया है। शांत मन रहने से प्रतिकूल परिस्थितियां थोड़े ही काल में अनुकूल परिस्थितियों में परिणत हो जाती हैं। शांत लोगों की शक्ति का दूसरे लोगों के मन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वास्तव में हमारी ही शक्ति दूसरे की शक्ति के रूप में प्रकाशित होती है। यदि किसी व्यक्ति का निश्चय इतना दृढ़ हो कि चाहे जो परिस्थितियां आवें उसका निश्चय नहीं बदलेगा तो वह अवश्य ही दूसरे व्यक्तियों के विचारों को प्रभावित करने में समर्थ होगा। जितनी ही किसी व्यक्ति की मानसिक दृढ़ता होती है, उसके विचार उतने ही शांत होते हैं। और उसकी दूसरों को प्रभावित करने की शक्ति उतनी ही प्रबल होती है। शांत विचारों का दूसरों पर और वातावरण पर प्रभाव धीरे-धीरे होता है। उद्वेगपूर्ण विचारों का प्रभाव तुरंत होता है। हम तुरंत होने वाले प्रभाव से विस्मित होकर यह सोच बैठते हैं कि शांत विचार कुछ नहीं करते और उद्वेगपूर्ण विचार ही सब कुछ करते हैं। पर जिस प्रकार किसी बीज को वृक्ष रूप में परिणत होने के लिए शांत शक्तियों को काम करने की आवश्यकता होती है, इसी प्रकार किसी विचार को फलित होने के लिए शांत होने की आवश्यकता होती है और उसका कार्य अवश्य जगत में होता है। शांत विचारों से शरीर में आश्चर्यजनक परिवर्तन हो जाते हैं। लेखक का एक मित्र 20 वर्ष का युवक हो चुका था। इस समय भी वह ऊंचाई और मोटाई में एक चौदह वर्षीय बालक के समान लगता था। उसने किसी शुभ चिंतक के सुझाने पर नियमित रूप से व्यायाम करना प्रारम्भ किया। थोड़े ही दिनों में वह चार इंच बढ़ गया और उसका शरीर भी पुष्ट हो गया। उसकी समझ थी कि व्यायाम ने उसे बढ़ा दिया। इसमें कोई संदेह नहीं कि व्यायाम से उसे लाभ हुआ, पर उससे ज्यादा लाभ उसके निश्चय से हुआ। इस निश्चय के कारण प्रतिदिन के शांत विचार उसकी भावना को प्रयत्न करते गए और उसके शरीर में मौलिक परिवर्तन होते गए। हम जो कुछ सोचते हैं, उसका स्थायी प्रभाव हमारे तथा दूसरों के ऊपर पड़ता है। शांत विचार धीरे-धीरे हमारे मन को ही बदल देते हैं। जैसे हमारे मन की बनावट होती है, वैसे ही हमारे कार्य होते हैं। और हमारी सफलता भी उसी प्रकार की होती है। हम अनायास ही उन कार्यों में लग जाते हैं, जो हमारी प्रकृति के अनुकूल हैं।

साहित्य वही जिसे सदियां गुनगुनाएं

- डॉ. दीपक आचार्य

सब तरफ खूब लिखा जा रहा है, खूब बोला जा रहा है और खूब सारा छापा-छपयावा जा रहा है। इस मामले में अक्षरों की दुनिया में जो चौतरफा विस्फोट कुछ अर्से पहले तक दिखाई देता था, वह अब सोशल मीडिया के आने के बाद महा विस्फोट के रूप में बदलता जा रहा है। लाखों लेखक, रचनाकार, कवि और साहित्यकारों द्वारा लिखा जा रहा है। और लिखे हुए या बोले हुए को अनचाहा परोसा भी जा रहा है। और इन सबके पीछे हेतु यह है कि लोगों में, क्षेत्र और दुनिया में अपनी पहचान बने और लोग लेखक या सर्जक के रूप में स्वीकारें, । और इस सारी यात्रा का लक्ष्य यही है कि लोग इसी के माध्यम से आम से खास के रूप में अपनी पहचान स्थापित करते हुए लोकप्रियता के शिखरों को चूमने की ओर अग्रसर होते रहें। लेकिन यक्ष प्रश्न यह भी है कि इस अंधाधुंध सृजन की उपयोगिता कितनी है। युगों पहले से चली आ रही श्रुति परम्परा का जनमानस पर जितना सीधा और गहरा प्रभाव हुआ करता था उसका आज लोप होता जा रहा है। अब लिखना भी है तो केवल लिखने के लिए ही लिखना होकर रह गया है, छपने के लिए लिखना होकर रह गया है। लेखन या अभिव्यक्ति का क्षेत्र लगातार पसरता जा रहा है, बावजूद इसके जनमानस पर कोई गहरा प्रभाव नहीं दिखता, जितना कि होना चाहिए। आदि कवि और सर्जक ईश्वर को प्रसन्न करने के लिए लिखा करते थे, जनमानस को ज्ञान एवं अनुभव देते हुए लोक चेतना के लिए, लोक मंगल के उद्देश्य और परिवर्तन के लक्ष्य को लेकर लिखा करते थे। अब अधिकांश मामलों में लेखन और अत्याधुनिक संचार पद्धतियों को अपनाकर लिखा तो खूब जा रहा है लेकिन प्रामाणिकता, तथ्यों और यथार्थ पर उतना ध्यान नहीं दिया जा रहा है जितना कि हमारे पूर्वज दिया करते थे। उनका सृजन दशकों, शताब्दियों और सहस्राब्दियों बाद आज भी प्रेम और श्रद्धा के साथ स्वीकारा जा रहा है। यही नहीं तो पुरातन रचनाकारों की रचनाएं आज भी कालजयी होकर उतना ही प्रभाव छोड़ रही हैं जितना उनके समय में प्रभावी थी। आदि कवियों, पुरातन रचनाकारों और भक्त-कवियों की रचनाएं आज भी हर किसी की जुबान पर आकर प्रेम, श्रद्धा और माधुर्य की सरणियां बहाने में सक्षम हैं और इनका गान, पाठ या श्रवण ही अत्यन्त मनभावन है। आज अपने सृजन के प्रति आत्म मुग्ध होकर लगातार लिख और छप रहे कितने रचनाकारों की रचनाओं को कितने लोग याद रख पाते हैं, गुनगुनाते हैं या प्रयोग में ला पा रहे हैं, इसकी वास्तविकता से कोई अपरिचित नहीं है। इसका मूल कारण यह है कि पहले जहां रचना कर्म हृदय के भावों से भरा होता था, दिल के अन्दर से निकलकर सीधा बाहर आता था वहीं आज जो कुछ सृजित हो रहा है उसका अधिकांश हिस्सा दिल की बजाय दिमागी तन्तुओं की छलनियों से होकर बाहर आ रहा है या किसी न किसी रिमोट से संचालित होकर दिशाएं और कलेवर बदल-बदल कर मार्केटिंग की जा रही है, जहाँ उसमें मौलिकता की बजाय वैयक्तिक पूर्वाग्रह-दुराग्रह और प्रदूषित लक्ष्य अधिक हावी होते हैं। यही कारण है कि ऐसा सृजन आत्म स्वीकार्य होकर आत्म मुग्धता के व्यामोह से तो बाँधे रखने में सफल हो रहा है किन्तु जन स्वीकार्यता में लगातार कमी आती जा रही है और यही कारण है कि यह साहित्य या सृजन का कोई सा पहलू जन स्वीकार्यता प्राप्त नहीं कर पा रहा है। उस जमाने में अद्वैत का चिन्तन प्रधान था जबकि आज बहुभेदी स्वरूप में होने के कारण सृजन और इसके प्रभावों का भी ध्रुवीकरण होता जा रहा है। इस वजह से सृजन लोकमंगलकारी न होकर वैयक्तिक महिमा मण्डन या आलोचना-निन्दा का माध्यम होकर रह गया है। जो साहित्य लोक में रस का संचार न कर सके, उसका कोई उपयोग नहीं है चाहे वह कितने ही व्यापक और अतुलनीय परिमाण में सृजित करते हुए इनके बड़े-बड़े पर्वताकारी ढेर ही क्यों न लगा दिए जाएं। जब से लेखन का उद्देश्य और लक्ष्य बदलने लगा है तभी से यह स्थिति सामने आ रही है। यही कारण है कि सर्जकों का सृजन कोई खास असर दिखा पाने के अपने लक्ष्यों से भटकने लगा है। रचनाकार की शुचिता और रचना धर्म के उद्देश्यों में पवित्रता होने पर ही वह सृजन अक्षर ब्रह्म की ऊर्जा ग्रहण पा सकता है अन्यथा रचनाकार की पूर्व से बंधी-बंधायी मानसिकता, किसी प्रलोभन या दबाव में आकर सृजन, सम्मान-पुरस्कार और अभिनंदन की भावी चाहत अथवा व्यक्ति विशेष को केन्द्र में रखकर रचा जाने वाला साहित्य कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाता और चन्द वर्षों की आयु पाकर ही प्राणहीन हो जाता है। इस प्रकार के साहित्य और साहित्यकार को जनमानस भी बहुत जल्द ही विस्मृत कर देता है। लेखन जब अन्तःस्फुरणा से सृजित होता है, तभी वह विराट स्वरूप पाने में सफल हो सकता है अन्यथा उसका क्षरण निश्चित है। केवल लिखने या रायल्टी पाने के लिए लिखे जाने वाले साहित्य में सायास शब्दों को फ्रेम या किसी पूर्व निर्धारित साँचे में ढालकर परोसने से उन शब्दों के पर कतरे हुए जैसे हो जाते हैं अथवा वह रचना अपने आप को नज़रबन्द महसूस करती हुई शब्दों की हथकड़ी को तोड़कर मुक्त होना चाहती है और कुछ समय बाद शब्द श्रृंखला टूटकर वापस अपनी मौलिक अवस्था में आ ही जाती है। असली लेखन वही है जो आत्मप्रेरणा से आकार प्राप्त करे, किसी के कहने अथवा किसी को खुश करने के लिए लिखा या बोला जाने वाला सृजन स्थूल होकर पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण की भेंट चढ़ जाता है और कुछ समय बाद ही दम तोड़ देता है। सृजन आत्मवाणी की तरह है, यह आत्मा से निकलने वाली धाराएं हैं जिनका प्रवाह तभी यादगार सिद्ध हो सकता है कि जब इसमें किसी भी स्तर पर मिलावट न हो, जैसा सृजित हुआ है, वैसा ही ताजा और तत्काल परोसा जाए, तभी जनमानस के मन-मस्तिष्क के लिए पौष्टिक और प्रेरणादायी, ऊर्जा संचरण करते हुए लोक में आलोक फैलाता हुआ चेतना जगा सकता है। जिन लोगों को अपने सृजन को प्रभावशाली बनाना हो, उन्हें चाहिए कि मन, कर्म और वचन की शुद्धता, शरीर, मस्तिष्क और परिवेश की शुचिता को अपनाएं, ऐसा होने पर आत्मा से जो कुछ वाणी प्रस्फुटित होगी, वह अपने आप में कालजयी साहित्य का स्वरूप ले लेगी। इसी से आत्म आनंद प्राप्त हो सकता है, जो कि बाद में परमानंद में परिवर्तित होकर जीवात्मा को जीते जी ही मुक्तात्मा बना देता है।

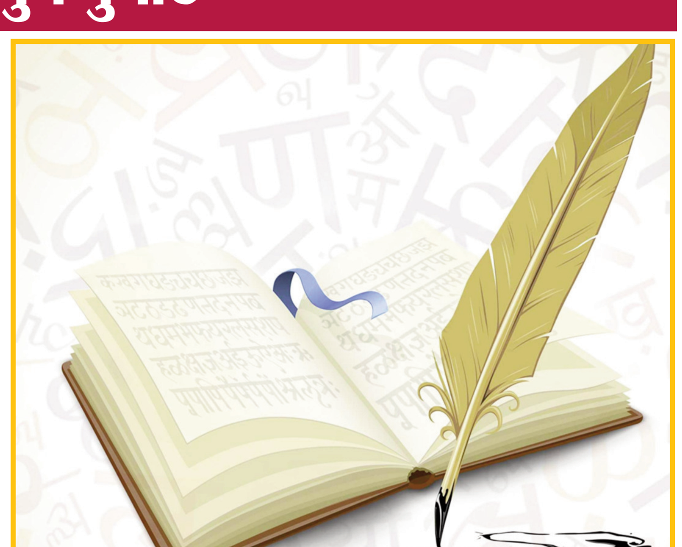

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी।

वृषभ पारिवारिक जनों के साथ सुखद समाचार मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी।

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। वाणी की सौम्यता प्रतिष्ठा में वृद्धि करायेगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। धन लाभ के योग हैं।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। राजनैतिक दिशा में चल रहा प्रयास सफल होगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। स्वास्थ्य शिथिल रहने की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आयात शुल्क घटने से खाद्य तेल की कीमतों में आई बड़ी गिरावटः सरकार

बिजनेस डेस्कः सरकार ने शुक्रवार को दावा किया कि खाद्य तेलों पर आयात शुल्क की मानक दर में कमी के बाद इनके दैनिक थोक मूल्यों में गिरावट आई है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि पाम तेल के थोक भाव में 2.50 प्रतिशत, सरसों के तेल में 0.97 प्रतिशत, सूरजमुखी के तेल की कीमतों में 1.30 प्रतिशत और वनस्पति में 0.71 प्रतिशत की गिरावट आई है। मंत्रालय का कहना है कि कीमतों पर नियंत्रण के लिए एक सप्ताह पहले खाद्य तेलों पर शुल्क की मानक दर में कटौती करने के केंद्र के साहसिक कदम के बाद, दैनिक थोक कीमतों में बड़ा अंतर आया है। विज्ञप्ति के अनुसार पैक किए जाने वाले पाम तेल के दैनिक थोक मूल्यों में 2.50 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसके साथ ही तिल के तेल में 2.08 प्रतिशत, नारियल के तेल में 1.72 प्रतिशत, मूंगफली के तेल में 1.38 प्रतिशत, सूरजमुखी के तेल में 1.30 प्रतिशत, सरसों के तेल में 0.97 प्रतिशत, वनस्पति में 0.71 प्रतिशत और पैक किए जाने वाले सोया तेल के दैनिक थोक मूल्यों में 0.68 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सरकार ने 10 सितंबर को जारी अधिसूचना के तहत कच्चे पाम तेल, कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी के तेल पर शुल्क की मानक दर को और कम करते हुए 2.5 प्रतिशत कर दिया है। इसी तरह रिफाइंड पाम तेल, रिफाइंड सोयाबीन तेल और रिफाइंड सूरजमुखी तेल पर शुल्क की मानक दर में कटौती करते हुए उसे 32.5 प्रतिशत कर दिया गया है।

गूगल जल्द ही मुफ्त टीवी चैनल सपोर्ट फीचर कर सकता है पेश

सैन फ्रांसिस्को। सर्च इंजन की दिग्गज कंपनी गूगल टीवी को जल्द ही मुफ्त टीवी चैनलों के लिए समर्थन मिल सकता है। प्रोटोकॉल की एक रिपोर्ट के अनुसार, गूगल उन चैनलों को अपने स्मार्ट टीवी प्लेटफॉर्म से जोड़ने की संभावना के बारे में मुफ्त और विज्ञापन समर्थित स्ट्रीमिंग टेलीविजन प्रदाताओं के साथ बातचीत कर रहा है। यह कमर्शियल ब्रेक वाले पारंपरिक टीवी के समान अनुभव देगा। गिज्मो चाइना की रिपोर्ट, यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले हफ्तों या महीनों में मुफ्त स्ट्रीमिंग चैनल गूगल टीवी पर लॉन्च हो सकते हैं, लेकिन कंपनी अगले साल की शुरूआत में अपने स्मार्ट टीवी भागीदारों के साथ पहल की घोषणा करने की प्रतीक्षा कर सकते हैं। उपयोग के लिए, यूजर्स को चैनलों के माध्यम से ब्राउज करने के लिए एक समर्पित लाइव टीवी मेनू मिलने की संभावना है। स्मार्ट टीवी पर, स्ट्रीमिंग चैनलों को ओवर-द-एयर प्रोग्रामिंग के साथ प्रस्तुत किए जाने की उम्मीद है जिसे एंटीना के साथ एक्सेस किया जा सकता है। गूगल ने पहली बार मुफ्त टीवी स्ट्रीमिंग श्रेणी में प्रवेश किया जब उसने 2014 में एंड्रॉइड टीवी प्लेटफॉर्म का अनावरण किया। गूगल टीवी एंड्रॉइड ऑपरेटिंग सिस्टम पर आधारित है और क्रोमकास्ट जैसे उपकरणों को स्मार्ट टीवी के रूप में पावर दे रहा है।

भारतीय स्टार्ट-अप और तकनीकी उद्यमियों के लिए प्लैनेटेरियम इनोवेशन चैलेंज शुरू

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की अधीनस्थ संस्था माईगोव इंडिया ने पिछले सप्ताह भारतीय स्टार्ट-अप और तकनीकी उद्यमियों के लिए प्लैनेटेरियम इनोवेशन चैलेंज शुरू किया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर), वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और मर्ज्ड रियलिटी (एमआर) सहित नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके एक स्वदेशीप्लैनेटेरियम सिस्टम सॉफ्टवेयर बनाने की क्षमता रखने वाले प्रौद्योगिकी कंपनियों और स्टार्ट-अप (भारत से बाहर स्थित) को एक साथ लाना है। चंद्रयान प्रक्षेपण से प्रेरित होकर, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने माईगोव के सहयोग से इसरो क्विज प्रतियोगिता 2019 का आयोजन किया, जहां कई स्कूलों, अभिभावकों और उत्साही परामर्शदाताओं ने अपनी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से इसे यादगार बना दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ देश भर के क्विज विजेताओं ने इसरो कंट्रोल रूम से चंद्रयान 2 की चंद्रमा पर लैंडिंग को लाइव देखा था। प्रधानमंत्री ने इसरो के वैज्ञानिकों सेकहा था, हम सफल होंगे, भारत को कोई नहीं रोक सकता और इससे पूरे देश में अंतरिक्ष के प्रति उत्साह रखने वाले लोगों को प्रोत्साहन मिला। इसरो क्विज का दोहराव करते हुए, 11 सितंबर 2021 को माईगोव इंडिया द्वारा प्लैनेटेरियम इवोनेशन चैलेंज शुरू किया गया।

भारी उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट पर बंद हुए अमेरिकी बाजार

(एजेंसी):

शुक्रवार को हुई भारी बिकवाली के बीच अमेरिकी बाजार कमजोरी के साथ बंद हुए। अमेरिकी बाजार अच्छे इकोनॉमी के आंकड़ो के बावजूद, कॉर्पोरेट टैक्स में बढ़ोतरी, कोविड-19 के डेल्टा वेरिएंट के बढ़ते खतरे और एसेट परचेज प्रोग्राम पर यूएस फेड के टाइमलाइन में बदलाव की संभावनाओं से जुड़ी चिंताओं के कारण अमेरिकी बाजार दबाव में नजर आया। शुक्रवार के कारोबार में अमेरिका के तीनों बड़े स्टॉक इंडेक्सों में गिरावट देखने को मिली। यूएस ट्रेजरी यील्ड में बढ़ोतरी ने भी बाजार पर अपना असर दिखाया। जिसके चलते **Nasdaq Composite** में भारी गिरावट देखने को मिली। साप्ताहिक आधार पर भी देखें तो अमेरिकी बाजार दबाव में रहें। **S&P**-500 इंडेक्स में फरवरी के बाद सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट देखने को मिली है। अमेरिका के **Leno& Wealth Advisors** के डेविड कार्टर (**David Carter**) का कहना है कि बाजार को टैक्स में बढ़ोतरी और मौद्रिक नीतियों में कड़ाई आने की संभावना अपना असर दिखा रही है। इसके अलावा कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते इकोनॉमिक रिकवरी में सुस्ती आने का डर भी बाजार पर अपना असर दिखा रहा है। कल के कारोबार में **Dow Jones** 166.44 अंक यानी 0.48 फीसदी की गिरावट पर बंद हुआ। वहीं **S&P** 500 40.76 अंक यानी 0.91 फीसदी की गिरावट के साथ 4,432.99 के स्तर पर बंद हुआ जबकि **Nasdaq Composite** 137.96 अंक यानी 0.91 फीसदी की गिरावट के साथ 15,043.97 के स्तर पर बंद हुआ। **S&P** 500 इंडेक्स कल अपने 50 **DMA** के नीचे बंद हुआ था।

एप्पल और गूगल ने रूस में नवलनी वोटिंग एप को हटाया

सैन फ्रांसिस्को।

एप्पल और गूगल ने रूस चुनावों में विरोध मतदान के समन्वय के लिए बनाए गए एक ऐप को हटा दिया है। रूस के अधिकारियों ने दावा किया हैं कि एप अवैध है, उन्होंने ऐप्पल और गूगल के स्थानीय कर्मचारियों पर मुकदमा चलाने की धमकी दी, क्रेमलिन के अभियान में देश के बड़े पैमाने पर बिना सेंसर वाले इंटरनेट पर लगाम लगाने के अभियान में तेज वृद्धि हुई। द न्यू यॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, गूगल के फैसले से परिचित एक व्यक्ति ने कहा कि अधिकारियों ने विशिष्ट व्यक्तियों का नाम लिया है, जो अभियोजन का सामना करेंगे, जिससे ऐप को हटाने के लिए प्रेरित किया गया। रूसी सरकार के नाराज होने के डर से व्यक्ति ने अपनी पहचान बताने से इनकार कर दिया। देश में गूगल के 100 से ज्यादा कर्मचारी हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐप को विपक्षी नेता अलेक्सी ए। नवलनी के सहयोगियों द्वारा बनाया और प्रचारित किया गया था, जो रूस के 225 चुनावी जिलों में से प्रत्येक में विरोध वोट को मजबूत करने के लिए इसका इस्तेमाल करने की उम्मीद कर रहे थे।

उलट शुल्क ढांचे को ठीक करने के फैसले से कपड़ा उद्योग से कर का बोझ कम होगा:एईपीसी

नई दिल्लीः परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) ने जीएसटी परिषद द्वारा एक जनवरी, 2022 से कपड़े पर उलट शुल्क ढांचे को ठीक के फैसले का स्वागत किया है। एईपीसी ने कहा कि इससे कृत्रिम रेशे (एमएमएफ) के कपड़े तथा परिधानों पर कर का बोझ कम होगा। जीएसटी परिषद की 17 सितंबर को हुई बैठक में एक जनवरी, 2022 से फुटवियर तथा कपड़े पर उलट शुल्क ढांचे को ठीक करने पर सहमति बनी। एईपीसी के चेयरमैन ए शक्तिवेल ने कहा कि इस फैसले से कपड़ा उद्योग को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि उलट शुल्क ढांचा परिधान उद्योग के लिए एक मुद्दा था और परिषद ने सरकार से इस विसंगति को समाप्त करने की मांग की थी। इसके तहत इनपुट कर क्रेडिट के संग्रहण से कंपनियों की महत्वपूर्ण कार्यशील पूंजी ब्लॉक हो रही थी। शक्तिवेल ने कहा कि एमएमएफ कपड़ा खंड (फाइबर और यार्न) में उत्पादन के सामान (इनपुट) पर जीएसटी की दर 18 प्रतिशत और 12 प्रतिशत है, जबकि एमएमएफ फैब्रिक पर जीएसटी की दर पांच प्रतिशत है। वहीं तैयार परिधान पर यह पांच प्रतिशत और 12 प्रतिशत है। इससे ऐसी स्थिति पैदा हो रही कि इनपुट पर कर की दर उत्पादन से अधिक थी।

एथेनॉल के लिए वाहनों पर लगेंगे फ्लैक्सी इंजनः गडकरी

(एजेंसी):

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि पेट्रोल-डीजल की कीमतें आम आदमी की पहुंच से बाहर हो रही है इसलिए सरकार जनता को राहत देने के लिए फ्लैक्सी इंजन लगे वाहन निर्माण की नीति बना रही है ताकि लोग पेट्रोल-डीजल की जगह आसानी से एथेनॉल का इस्तेमाल कर सके।

पेट्रोल-डीजल की जगह एथेनॉल का इस्तेमाल

गडकरी ने कहा कि वह जल्दी ही वाहन निर्माताओं को लिए एक नीति बना रहे हैं जिसके तहत सभी वाहनों पर फ्लैक्सी इंजन लगाना ज़रूरी कर दिया जाएगा। इसके तहत वाहन मालिक अपने वाहन में पेट्रोल और डीजल की जगह एथेनॉल का इस्तेमाल कर सकता है। उन्होंने कहा कि एथेनॉल का उत्पादन बड़ी मात्रा में करने की रणनीति पर भी काम चल रहा है। एथेनॉल गन्ना भूसा, धान आदि से तैयार होता है। उनका कहना था कि किसान अच्छी पैदा कर रहा है और उसकी मेहनत का पर्याप्त लाभ उसे मिले इसमें स्वच्छ ईंधन एथेनॉल महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

किसानों को होगा फायदा

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में डीजल और पेट्रोल का 12 लाख करोड़ रुपए का आयात किया जाता है। एथेनॉल के इस्तेमाल से पेट्रोल और डीजल के आयात को कम करके अगर चार-पांच लाख करोड रुपए बचते हैं तो उसका फायदा किसानों को मिलेगा। गडकरी ने कहा कि एथेनॉल का इस्तेमाल आसान हो इसके लिए चार पहिया, तीन पहिया, दोपहिया स्कूटर, मोटरसाइकिल आदि सभी वाहनों में फ्लैक्सी इंजन लगाने की व्यवस्था कुछ ही महीने कर दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि वाहन मालिक को पेट्रोल पंप पर यदि 100 रुपए प्रति लीटर पेट्रोल के बदले बहुत कम दाम पर एथेनॉल उपलब्ध होता है तो निश्चित रूप से वह एथेनॉल का ही इस्तेमाल करेगा और इससे वाहन चालक वाहन के मालिकों को भी फायदा होगा और लोग ईंधन के सस्ते विकल्प को आसानी से अपना सकेंगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि समय के अनुसार ईंधन का विकल्प भी आवश्यक है। स्वच्छ ऊर्जा देश की जरूरत है और प्रदूषण को कम करने के लिए यह आवश्यक हो गया है इसलिए पेट्रोल-डीजल की जगह एथेनॉल जैसी स्वच्छ ऊर्जा का इस्तेमाल जरूरी हो गया है।

पोषण सुरक्षा हासिल करने के लिए कदम उठा रही है सरकारः कृषि मंत्री तोमर

नई दिल्ली (एजेंसी):

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को कहा कि सरकार खाद्य सुरक्षा के साथ ही पोषण सुरक्षा हासिल करने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है। हैदराबाद में पोषण सुरक्षा पर आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की पहल पर ही संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को 'अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के रूप में घोषित किया है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक तोमर ने मौजूदा पीढ़ी से ज्वार, बाजरा जैसे पोषक खाद्यान्नों के महत्व को समझने और इसे अपनी दैनिक खुराक में शामिल करने की अपील की। उन्होंने बताया कि केंद्र ने कृषि क्षेत्र की खामियों को दूर करने के लिए 1.5 लाख रुपए के कृषि अवसंरचना कोष की घोषणा की है। तोमर ने कहा कि केंद्र सरकार ने तिलहनों और पाम तेल की खेती के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया है जिससे तेलंगाना के किसानों को काफी फायदा होगा क्योंकि राज्य की जमीन इन फसलों की खेती के अनुकूल है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को कृषि में निवेश की खातिर प्रोत्साहित करने और फसलों के लिए लाभदायक उपज सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नए कृषि कानून बनाए गए हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार 10,000 नए कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की स्थापना के लिए 6,850 करोड़ रुपए खर्च करेगी और इसके परिणामस्वरूप करीब 86 प्रतिशत किसानों की जिंदगी बदल जाएगी। हैदराबाद स्थित आईसीएआर- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेट्स रिसर्च (आईआईएमआर), संयुक्त राष्ट्र का खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) और कृषि मंत्रालय इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन कर रहे हैं।

65 क्षेत्रों में शहरी गैस खुदरा वितरण संबंधी लाइसेंस देने बोलियां आमंत्रित

नई दिल्ली । तेल नियामक पीएनजीआरबी ने जम्मू, नागपुर, पठानकोट और मदुरै सहित 65 क्षेत्रों में शहरी गैस खुदरा वितरण संबंधी लाइसेंस देने के लिए बोलियां आमंत्रित कीं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने एक बयान में कहा कि 11वें शहरी गैस लाइसेंसिंग दौर में पेश किए जा रहे 65 भागौलिक क्षेत्रों के लिए बोलियां 15 दिसंबर को देय हैं। इस समय 27 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में पीएनजीआरबी द्वारा अधिकृत 228 भौगोलिक क्षेत्र हैं जिसके दायरे में देश का लगभग 53 प्रतिशत क्षेत्र और उसकी 70 प्रतिशत आबादी आती है। शहरी गैस वितरण (सीजीडी) की बोली के पिछले चरण 10वें सीजीडी बोली चरण में, 50 क्षेत्रों को सीजीडी नेटवर्क के विकास के लिए अधिकृत किया गया था। मौजूदा दौर में पेश किए जा रहे 65 भौगोलिक क्षेत्रों में देश के 203 जिले आते हैं। पीएनजीआरबी 65 भौगोलिक क्षेत्रों में शहरी गैस वितरण नेटवर्क के विकास के लिए इच्छुक पक्षों से इलेक्ट्रॉनिक बोलियां आमंत्रित करता है। सरकार देश के ऊर्जा क्षेत्र में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी मौजूदा 6.3 प्रतिशत से 2030 तक बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की अपनी योजना के तहत शहरी गैस के विस्तार पर जोर दे रही है।

विश्वबैंक की कारोबार सुगमता रैंकिंग में हेरफेर की खबरें परेशान करने वालीः कौशिक बसु

बिजनेस डेस्क:

विश्वबैंक के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक बसु ने बहुपक्षीय संस्थान की कारोबार सुगमता रैंकिंग में जोड़-तोड़ या गड़बड़ी के आरोपों पर 'हैरानी' जताई है। बसु ने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान भी सरकारों की ओर से दबाव आता था लेकिन विश्वबैंक कभी दबाव में नहीं आया। इस तरह की खबरें परेशान करने वाली हैं। अनियमितता के आरोपों के बाद विश्वबैंक ने किसी देश में निवेश के माहौल पर कारोबार सुगमता रैंकिंग का प्रकाशन बंद करने का फैसला किया है। वर्ष 2017 में चीन की रैंकिंग बढ़ाने के लिए बैंक के शीर्ष अधिकारियों पर दबाव की वजह से आंकड़ों में अनियमितता का मामला सामने आने के बाद यह कदम उठाया गया है। बसु ने ट्वीट किया, ''विश्वबैंक की कारोबार सुगमता रैंकिंग में हेरफेर की खबर काफी परेशान करने वाली है। 2012 से 2016 के दौरान कारोबार सुगमता रैंकिंग का काम मेरे तहत आता था। हमारे ऊपर दबाव पड़ता था लेकिन हम दबाव में नहीं आते थे। दुख की बात है कि यह बदल गया है। मैं भारत को इस बात का श्रेय दूंगा कि न तो पिछली सरकार और न ही मौजूदा सरकार ने इस तरह का कोई दबाव डाला था।'' बसु 2012 से 2016 तक विश्वबैंक के मुख्य अर्थशास्त्री रहे थे।

विश्वबैंक समूह ने बृहस्पतिवार को बयान जारी कर कहा था, ''कारोबार सुगमता पर उपलब्ध सभी सूचनाओं की समीक्षा, निष्कर्षों के ऑडिट और बैंक कार्यकारी निदेशकों के बोर्ड की ओर से आज जारी रिपोर्ट के बाद विश्वबैंक समूह प्रबंधन ने कारोबार सुगमता रैंकिंग का प्रकाशन रोकने का फैसला किया है।'' कारोबार सुगमता रैंकिंग-2020 में भारत 14 स्थानों की छलांग से 63वें पायदान पर पहुंच गया था। 2014 से 2019 के दौरान भारत की रैंकिंग में 79 स्थानों का सुधार हुआ है।

सचिन बंसल की नवी म्यूचुअल फंड ने इलेक्ट्रिक वाहन फंड शुरू करने की योजना बनाई

नई दिल्ली (एजेंसी):

सचिन बंसल की कंपनी नवी म्यूचुअल फंड ने इलेक्ट्रिक वाहन समेत चार अलग-अलग श्रेणी में कोष शुरू करने के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए है। कंपनी ने इससे पिछले महीने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास 10 से अधिक नई योजनाओं के लिए दस्तावेज जमा किए थे। इनमे से ज्यादातर दस्तावेज इंडेक्स फंड के लिए जमा किए गए हैं क्योंकि वह इस श्रेणी में जगह बनाना चाहती है। इंडेक्स फंड की तरफ जाने का प्रमुख कारण इन्हें समझने में आसानी और लागत में भी कमी होता है। मसौदा दस्तावेज के अनुसार, ''योजना का उद्देश्य विदेशी ईटीएफ की इकाइयों में निवेश करके दीर्घकालिक पूंजी वृद्धि प्रदान करना है। ईटीएफ एक्सचेंज ट्रेडेड फंड या इंडेक्स फंड जो इलेक्ट्रिक वाहनों में निवेश करते हैं। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि इंडेक्स फंड में पिछले कुछ वर्षों में प्रबंधित कोष से बेहतर प्रदर्शन किया है। यही वजह है कि निवेशकों के बीच ऐसे कोषों का रुझान बढ़ रहा है। फ्लिपकार्ट के सह-संस्थापक बंसल ने फरवरी 2021 में एस्सेल ग्रुप से एस्सेल म्यूचुअल फंड का अधिग्रहण किया था और इसका नाम बदलकर नवी म्यूचुअल फंड कर दिया था।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.34 अरब डॉलर घटकर 641.113 अरब डॉलर पर

मुंबई (एजेंसी):

देश का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले सप्ताह नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद 10 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 1.34 अरब डॉलर घटकर 641.113 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को अपने ताजा आंकड़ों में यह जानकारी दी है।

विदेशी मुद्रा भंडार इससे पिछले तीन सितंबर को समाप्त सप्ताह में 8.895 अरब डॉलर बढ़कर 642.453 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। आरबीआई द्वारा शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़ों में दर्शाया गया है कि दस सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में यह कमी मुख्य तौर पर विदेशीमुद्रा आस्तियों (एफसीए) के घटने की वजह से हुई है जो कुल मुद्राभंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि आलोच्य सप्ताह में भारत की विदेशीमुद्रा आस्तियां (एफसीए) 93.4 करोड़ डॉलर घटकर 578.879 अरब डॉलर रही।

डॉलर में बताई जाने वाली विदेशी मुद्रा संपत्ति में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है। इसके अलावा समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण आरक्षित भंडार भी 41.3 करोड़ डॉलर घटकर 37.669 अरब डॉलर रह गया।

आईएमएफ में देश का विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) दस लाख डॉलर बढ़कर 19.438 अरब डॉलर और आईएमएफ में देश का आरक्षित विदेशीमुद्रा भंडार 50 लाख डॉलर बढ़कर 5.127 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

बैंकों में आवास ऋण पर ब्याज दर घटने से बढ़ेगी मकानों की मांग : डेवलपर

नई दिल्ली:

जमीन जायदाद के विकास से जुड़ी कंपनियों और परामर्शदाओं का मानना है कि देश में त्योहारों के दौरान बैंकों की ओर से कम ब्याज दर पर आवास ऋण की पेशकश किए जाने से मकानों की मांग में उल्लेखनीय तेजी आ सकती है।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) समेत कई बैंकों ने त्योहारों के दौरान आवास ऋण पर ब्याज दर में छूट के साथ ही अन्य पेशकश की हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के अन्य बैंक भी जल्दी ही त्योहारों को देखते हुए आवास ऋण पर ब्याज दर में रियायत की पेशकश करेंगे। उल्लेखनीय है कि देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बृहस्पतिवार को त्योहार के दौरान मकान के लिए कर्ज लेने वाले संभावित ग्राहकों के लिए विभिन्न पेशकश की हैं।

इसमें 'क्रेडिट स्कोर' से जुड़ा कितनी भी राशि का कर्ज शामिल है, जिस पर ब्याज दर 6.70 प्रतिशत से शुरू होगी। अब तक, कर्जदार को 75 लाख रुपए से अधिक के आवास ऋण के लिए 7.15 प्रतिशत ब्याज देना होता था। रियल एस्टेट सेवा कंपनी एनरॉक समूह के अध्यक्ष अनुज पुरी ने कहा, ''यह एसबीआई का एक अत्यंत प्रतिस्पर्धी कदम है केवल सस्ते आवास पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय यह नई ब्याज दर वास्तव में बेहतर है। इससे हर श्रेणी के लोगों को लाभ होगा।'' उन्होंने कहा, ''इस साल, हमें इस अवधि के दौरान आवास खंड में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल सकता है। प्रसंस्करण शुल्क को समाप्त किया जाना और व्यवसाय से ब्याज प्रीमियम जैसी आकर्षक पेशकश बचत को बढ़ाएंगी।

पुरी ने उम्मीद जताई कि अन्य ऋणदाता प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए एसबीआई का अनुसरण करेंगे। हाउसिंग डॉट कॉम, मकान डॉट कॉम और प्रॉपटीगर डॉट कॉम के मुख्य वित्त अधिकारी (समूह) विकास वधावन ने कहा कि एसबीआई के आवास ऋण पर ब्याज दरों में कमी से क्षेत्र को और गति मिलने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, ''कीमत पहले से ही कम है तथा इन उपायों से खरीदार थोड़ा और पैसा बचाने में सक्षम होंगे।

रहेजा डेवलपर्स के कार्यकारी निदेशक नयन रहेजा ने कहा कि किफायती और मध्यम श्रेणी के घरों की मांग बढ़ेगी क्योंकि इससे लोगों के पास अधिक पैसे बचेंगे।

मुंबई सिटी एफसी ने गुरकीरत सिंह के साथ तीन साल का करार किया

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने गुरकीरत सिंह के साथ शनिवार को तीन साल तक के लिए करार करने की घोषणा की। 18 वर्षीय खिलाड़ी का करार इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के शील्ड विनर्स और चैंपियंस के साथ मई 2024 तक रहेगा। गुरकीरत को भारतीय राष्ट्रीय टीम की आयु वर्ग की टीमों से उभरने वाली सबसे होनहार प्रतिभाओं में से एक माना जाता है। वह 2018 में एफससी अंडर-16 चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली भारत अंडर-16 टीम के प्रमुख खिलाड़ियों में से एक थे और 2019 सैफ अंडर-18 चैंपियनशिप में संयुक्त शीर्ष स्कोरर थे, जहा भारत ने ट्रॉफी जीती थी। गुरकीरत ने कहा, मुंबई के क्लब में शामिल होना किसी भी युवा के लिए एक सपने के सच होने जैसा है और यह मेरे लिए अलग नहीं है। मुझे उस अवसर के बारे में पता है जो मुझे प्रस्तुत किया गया है। मुझे अपने साथियों और सीनियरों से बहुत कुछ सीखना है और मैं इस महत्वाकांक्षी क्लब के लिए प्रयास करने और एक अंतर बनाने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार हूं।

आईपीएल 2021 : चेन्नई और मुंबई के बीच मुकाबले के साथ फिर होगी टूर्नामेंट की शुरूआत

दुबई।

आईपीएल का खिताब जीतने के मामले में मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीमें दो सबसे सफल फ्रेंचाइजी हैं और रविवार को इन दोनों टीमों के बीच होने वाले मुकाबले से आईपीएल 2021 के दूसरे चरण का आगाज होगा। सीएसके की टीम सात मैचों में पांच जीत के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है जबकि मुंबई की टीम सात मैचों में चार जीत के साथ आठ अंक लेकर चौथे नंबर पर है। मुंबई की शुरूआत धीमी होती है लेकिन वे टूर्नामेंट के अंत में अपने प्रदर्शन को धार देती है। इस सीजन में वह अपने छठे और सातवें मैच में हावी हुए लेकिन तभी कोरोना के कारण टूर्नामेंट को स्थगित कर दिया गया। यह देखना दिलचस्प होगा कि वह किस तरह शुरूआत करते हैं। मुंबई के पास दो महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह जो अभी-अभी इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज खेल कर लौटे हैं। सीएसके में शार्दुल ठाकुर हैं जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में भारत के लिए मैच विजयी प्रदर्शन किया था। सीएसके को बढ़त मिल सकती है क्योंकि उन्हें आराम मिला तथा उसकी तैयारी बेहतर है। रुतुराज गायकवाड़ के साथ फाफ डुप्लेसिस शीर्ष में वाइटल साबित हो सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज सात मैचों में 64 के औसत से 320 रन बनाकर लीग के तीसरे सर्वाधिक स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। दोनों टीमों में पावर हिटिंग और बल्लेबाजी में मजबूती को देखते हुए ऊंच्च स्कोर के मुकाबले की उम्मीद की जा सकती है।

यह मैच और बाकी मैच भी रोहित के लिए एक सक्षम कप्तान के रूप में अपनी साख को मजबूत करने का एक मौका होगा। इस पर बहुत अधिक ध्यान दिया जाएगा क्योंकि वह भारत के सर्वश्रेष्ठ शॉर्ट-फॉर्मेट के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व वाली टीम के खिलाफ खेलेंग।

महेला जयवर्धने ने ठुकराया भारतीय टीम के मुख्य कोच बनने का ऑफर

स्पोर्ट्स डेस्क ।

भारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा मुख्य कोच रवि शास्त्री का कार्यकाल टी20 वर्ल्ड कप के बाद समाप्त हो जाएगा। बीसीसीआई ने अभी से ही भारतीय टीम के मुख्य कोच की तलाश शुरू कर दी है। भारतीय टीम के मुख्य कोच के रूप में लक्ष्मण और कुंबले का नाम सामने आ रहा है। पर एक रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई ने श्रीलंका के दिग्गज बल्लेबाज महेला जयवर्धने को भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाने के बारे में सोच रही थी। पर उन्होंने बीसीसीआई के इस प्रस्ताव को मना कर दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कि इस भूमिका के लिए कुंबले से संपर्क करने से पहले, बीसीसीआई श्रीलंकाई क्रिकेट के दिग्गज महेला जयवर्धने को भारतीय टीम के मुख्य कोच के रूप में शामिल करना चाहता था, लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया।

इस वजह से किया मना

महेला जयवर्धने कथित तौर पर श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कोच बनना चाहते थे। साथ ही इस मामले में एक और पेंच भी है। महेला जयवर्धने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस (एमआई) फ्रेंचाइजी के कोच भी हैं और बीसीसीआई के नियम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि अगर कोई व्यक्ति भारतीय टीम का मुख्य कोच होता है तो वह किसी अन्य पद पर नहीं रह सकता है। महेल जयवर्धने श्रीलंका टीम के महान बल्लेबाज हैं। उन्होंने श्रीलंका के लिए 149 टेस्ट, 448 वनडे और 55 टी20 मैच खेलें हैं जिसमें उन्होंने क्रमश = 11814, 12650 और 1493 रन बनाएं हैं। जयवर्धन के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 54 शतक है और 7 दोहरे शतक दर्ज हैं।

अदिति ने पोर्टलैंड क्लासिक के कट में जगह बनाई

पोर्टलैंड (अमेरिका) । भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने पहले दौर के निराशाजनक प्रदर्शन से उबरकर दूसरे दौर में पार 72 का कार्ड खेला जिससे वह 2021 कैम्बिया पोर्टलैंड क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह बनाने में सफल रही। पहले दौर में पांच ओवर 77 का स्कोर बनाने वाली अदिति अभी संयुक्त 57वें स्थान पर हैं। वह अंतिम दो दौर में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी स्थिति में सुधार कर सकती है। अदिति ने दूसरे दौर में पांचवें और 18वें होल में बर्डी बनायी लेकिन इस बीच उन्होंने 11वें और 12वें होल में बोगी भी की। कट छह ओवर पर आया और कुल 77 खिलाड़ी आगे बढने् में सफल रहीं। रोलेक्स रैंकिंग में दूसरे नंबर पर काबिज जिन यंग को (69-67) कुल आठ अंडर के साथ शीर्ष पर चल रही हैं।

फैमिना के कवर पर आईं भवानी देवी, मीराबाई चानू और रानी रामपाल

खेल डेस्क ।

बॉलीवुड मैगजीन फैमिना ने अपने सितंबर इश्यू में भारतीय महिला खेल सितारे भवानी देवी, मीराबाई चानू और रानी रामपाल को जगह दी है। मैजगीन ने फैमिना फैब 40 मुहिम के तहत तीनों को शीर्षक दिया है ओलिम्पियंस। कवर पेज पर आने के बाद भवानी देवी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली है। बता दें कि टोक्यो ओलिम्पिक के दौरान भारत की इन तीनों महिला प्लेयर्स के प्रयास सराहे गए थे। भवानी देवी फैसिंग में भारत की ओर से ओलिम्पिक में क्वालिफाई करने वाली पहली महिला थीं। उन्होंने दूसरे दौर तक पहुंचकर खूब चर्चा बटोरी थी।

इसी तरह मीरा बाई चानू ने टोक्यो ओलिम्पिक के दौरान वेट लिफ्टिंग स्पर्धा में सिल्वर मैडल जीता था। मीरा ने अपने मैडल के साथ भारत का ओलिम्पिक में खाता खोला था। 2016 ओलिम्पिक के दौरान वह अपने तीनों प्रयासों में वजन उठाने से चूक गईं थी। लेकिन उन्होंने इस साल मजबूती से वापसी की और सिल्वर मैडल जीता। वहीं, दूसरी तरफ रानी रामपाल की बात की जाए तो उनकी कप्तानी में भारतीय महिला हॉकी टीम टोक्यो ओलिम्पिक के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। उनके पास मैडल जीतने का मौका था लेकिन अहम मुकाबले में उन्हें हार झेलनी पर चौथे नंबर से संतोष करना पड़ा था। मैगजीन ने तीनों प्लेयरों को अपने फैब 40 में शामिल किया है और उनके संघर्ष की कहानियां बताईं हैं।

संक्षिप्त समाचार

डेविस कप में भारत की खराब शुरूआत, प्रजनेश हारे

एस्पू : अनुभवी टेनिस खिलाड़ी प्रजनेश गुणेश्वरन डेविस कप विश्व ग्रुप वन मुकाबले में फिनलैंड के खिलाफ भारत को विजयी शुरुआत दिलाने में नाकाम रहे। विश्व रैंकिंग में 165वें स्थान पर काबिज प्रजनेश को रैंकिंग में काफी नीचे के खिलाड़ी ओटो विर्तानिन (419वीं रैंकिंग) से 3-6, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में प्रजनेश को जीत का दावेदार माना जा रहा था लेकिन विर्तानेन ने पहले सेट को 6-3 से जीतकर उन पर दबाव बना दिया। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि दूसरे सेट में वापसी की और मुकाबला टाई-ब्रेकर तक पहुंचा। जिसे जीतकर विर्तानेन ने एक घंटे 25 मिनट तक चले मुकाबले को अपने नाम कर लिया। भारत के दूसरी रैंकिंग वाले खिलाड़ी रामकुमार का सामना दिन के दूसरे मैच में फिनलैंड के नंबर एक खिलाड़ी एमिल रूसुवुओरी से होगा जो विश्व रैंकिंग में 74वें स्थान पर है ।

सीनियर ग्रुप में प्रोमोशन के बाद सुमन देवी ने कहा, मौका का फायदा उठाना चाहती हूं

नई दिल्ली। जूनियर रैंक से सीनियर संभावित ग्रुप में प्रोमोशन होने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम की युवा डिफेंडर सुमन देवी थोउदाम इस मौके का फायदा उठाना चाहती हैं। सुमन देवी ने कहा, मैं यहां साई के जूनियर कैंप में थी जब ओलंपिक चल रहा था और ओलंपिक के दौरान हम सभी टीवी से चिपके हुए थे। भारत का हर मैच रोमांचक रहा। भले ही भारत अच्छी शुरूआत नहीं कर सका, लेकिन मुझे लगता है कि वे अभी भी नीदरलैंड, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ बहुत अच्छा खेले। वे हमारी टीम की तुलना में बहुत अधिक अनुभवी हैं और फिर भी हम उनके खिलाफ मजबूत थे। उन्होंने कहा, भारतीय टीम को देखा कि किस तरह उन्होंने आयरलैंड, दक्षिण अफ्रीका और क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर टूर्नामेंट में वापसी की, वास्तव में हमें बहुत प्रेरणा मिली। संभावित ग्रुप में शामिल होने पर सुमन ने कहा, यह आसान नहीं होगा क्योंकि कोर ग्रुप काफी मजबूत है और मुझे वास्तव में हर सत्र में खुद को साबित करना है और हर अवसर को भुनाना है। उन्होंने आगे कहा कि उनका ध्यान अब शिविर में अपने कौशल को मजबूत करने पर होगा। सुमन ने कहा, मैं वास्तव में सीनियर टीम में अपनी जगह पक्की करने के बारे में बहुत ज्यादा नहीं सोच रही हूं। अभी मेरा ध्यान सीनियर खिलाड़ियों से ज्यादा से ज्यादा सीखने पर है, जिन्हें बैक-टू-बैक ओलंपिक में खेलने का शानदार अनुभव है।

क्या कुंबले स्वीकार करेंगे प्रस्ताव?

नई दिल्ली।

बीसीसीआई के एक पूर्व अधिकारी ने अनिल कुंबले को अगले महीने मुख्य कोच के रूप में वापस लाने का सुझाव देने वाली ताजा रिपोर्ट पर उनके विचारों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि ऐसा लगता है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड विराट कोहली और रवि शास्त्री से नाराज है।हालांकि, सूत्रों ने आईएएनएस को यह भी बताया कि दिग्गज स्पिनर शायद इस प्रस्ताव को स्वीकार न करें और पद वीवीएस लक्ष्मण या किसी विदेशी व्यक्ति के पास जा सकता है।एक तरफ जहां टी20 विश्व कप के बाद रोहित शर्मा टी20 प्रारूप का दायित्व संभालने के लिए तैयार हैं वहीं ऐसी रिपोर्ट भी आई है कि कुंबले और लक्ष्मण को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रवि शास्त्री के बाद मुख्य कोच के रूप में पदभार संभालने के लिए संपर्क किया है।ऐसी रिपोर्ट भी आई कि टीम के भीतर कुछ खिलाड़ियों ने शिकायत की थी कि कोहली ऑफ फील्ड में जरूरत पड़ने पर पहुंच से बाहर रहते हैं जबकि महेंद्र सिंह धोनी के दरवाजे टीम के खिलाड़ियों के लिए 24 घंटे खुले रहते थे। अपनी पहचान छिपाने की शर्त पर बीसीसीआई के पूर्व अधिकारी ने आईएएनएस से कहा, जय शाह (बीसीसीआई सचिव) को इन सब के बारे में टीम के करीबी लोगों के माध्यम से सूचित किया गया और उन्हें यह पसंद नहीं आया। शाह ने अन्य अधिकारियों से भी सलाह ली। कुछ खिलाड़ियों से भी संपर्क किया जा रहा था और उनकी राय ली जा रही थी।उन्होंने कहा, बीसीसीआई लंबे समय से उनके (कोहली-शास्त्री) पंख काटने की योजना बना रहा था और इसकी शुरूआत धोनी को मेंटर (जिसके बारे में कोहली को पता भी नहीं था) के रूप में नियुक्त करने और रविचंद्रन अश्विन को टी20 टीम में वापस लाने के साथ की गई थी। अश्विन को उनके अनुभव के बावजूद हाल ही में समाप्त हुई टेस्ट सीरीज में मौका नहीं दिया गया तो, इन सब बातों ने कहीं न कहीं अधिकारियों को नाखुश या गुस्से में डाल दिया। पूर्व अधिकारी ने कहा, कुंबले को वापस लाने की योजना (कोहली के साथ पुरानी दरार को जानकर), से बोर्ड दिखा रहा है कि मालिक कौन है। हां, लक्ष्मण से भी संपर्क किया गया था। लेकिन कुंबले तभी सबसे आगे चल रहे हैं, जब वह प्रस्ताव स्वीकार करते हैं। इस बीच, जब एमएसके प्रसाद से उनके विचारों के लिए संपर्क किया गया, तो बीसीसीआई के पूर्व मुख्य चयनकर्ता ने कहा कि वह विश्व कप के बाद ही टिप्पणी करेंगे।

उन्होंने कहा, सबसे पहले, हमें विश्व कप से पहले इन सब के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। हमारा ध्यान मेगा इवेंट जीतने के लिए अपनी टीम का समर्थन करने पर होना चाहिए। इसलिए अभी, कुछ भी कहने का यह सही समय नहीं है।

पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को बेस्ट सुरक्षा मुहैया कराई : इंजमाम

मुल्तान। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक ने पहला वनडे शुरू होने से कुछ देर पहले ही सुरक्षा कारणों का हवाला देकर दौरा रद्द करने को लेकर न्यूजीलैंड क्रिकेट की आलोचना की है। इंजमाम ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर कहा, कोई देश दूसरे देश के साथ ऐसा नहीं करता जैसा न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के साथ किया। वह हमारे मेहमान थे और अगर उनको कुछ दिक्कतें थी तो उन्हें पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से बात करनी चाहिए थी। पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को बेस्ट सुरक्षा मुहैया कराई। 2009 में जब से श्रीलंका क्रिकेटर पर हमला हुआ है हमने सभी टीमों को दौरा करने वाले राष्ट्रपतियों के समान सुरक्षा दी है। इंजमाम, जिन्होंने अप्रैल 2016 से जुलाई 2019 तक पाकिस्तान के मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्य किया है, उन्होंने इस मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से हस्तक्षेप करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा, आईसीसी को इसको लेकर कदम उठाना चाहिए। साथ ही, यदि न्यूजीलैंड के पास सुरक्षा से संबंधित कुछ इनपुट हैं, तो वे इसे क्यों नहीं दिखा रहे हैं? पीसीबी को नहीं तो कम से कम आईसीसी को तो दिखा दो। यहां तक कि हमारे पीएम ने भी उनसे बात की थी और उन्हें आश्वासन दिया था। इंजमाम ने कहा, अगर न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान से उनकी चिंताओं के बारे में बात की होती, तो सुरक्षा एजेंसियां निश्चित रूप से इस पर गौर कर सकती थीं।

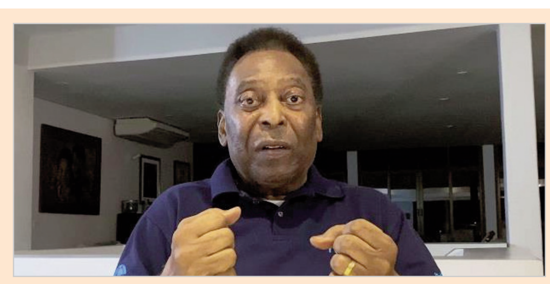

पेले आपात चिकित्सा कक्ष में, बेटी ने कहा स्थिति सामान्य

साओ पाउलो : ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर पेले की आंत से ट्यूमर निकालने के लिए किए आपरेशन के बाद स्थिति सामान्य बनी हुई है और उनकी बेटी केली नेसिमेंटो ने कहा कि वह धीरे धीरे ठीक हो रहे हैं। लेकिन अल्बर्ट आइंस्टीन अस्पताल ने कहा कि 80 वर्षीय पेले को सांस लेने में मामूली दिक्कत के कारण गुरुवार की रात को फिर से आपात चिकित्सा कक्ष में भर्ती कराया गया था। उनका उपचार चल रहा है। अस्पताल ने इसके आगे कोई जानकारी नहीं दी। पेले का चार सितंबर को आपरेशन किया गया था। केली नेसिमेंटो ने शुक्रवार को अपने पिता के साथ एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की थी जिसमें उन्होंने कहा कि यह तस्वीर अल्बर्ट आइंस्टीन अस्पताल में उनके कमरे में अभी अभी ली गई है। उन्होंने कहा कि वह धीरे धीरे ठीक हो रहे हैं और सामान्य स्थिति में हैं। इस तरह के आपरेशन के बाद इतनी उम्र के व्यक्ति की स्थिति में कभी कभी हल्का उतार चढ़ाव आता है। कल वह बेहद थकान महसूस कर रहे थे, लेकिन आज उन्हें अच्छा लग रहा है। पेले को मंगलवार को आपात चिकित्सा कक्ष से हटाकर सामान्य कक्ष में रखा गया था और इसके बाद अस्पताल ने उनके स्वास्थ्य के बारे में कोई बयान जारी नहीं किया था। बाद में पेले ने सोशल मीडिया पर पुष्टि की कि वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और दिन के समय परिवार के सदस्य उनसे मिलने के लिये आये थे। पेले ने कहा कि मैं हर दिन मुस्कुराता रहता हूं। मुझे आप से जो प्यार मिला है, उसके लिए आभार। पेले के रहते हुए ब्राजील ने 1958, 1962 और 1970 में विश्व कप जीता था। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 92 मैचों में 77 गोल किये जो ब्राजील की तरफ से रिकार्ड है।

हसरंगा और चमीरा ने टीम को नया आयाम दिया : कोहली

दुबई ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली ने कहा कि श्रीलंका के खिलाड़ी वानिंदु हसरंगा और दुशमंता चमीरा के आने से टीम को नया आयाम मिला है लेकिन वे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले चरण के अच्छे प्रदर्शन को हल्के में नहीं लेंगे। आईपीएल के 14वें सत्र के दौरान मई में बायो-बबल में कोरोना वायरस संक्रमण के कई मामले मिलने के बाद स्थगित कर दिया था। इसके बचे हुए मैचों को रविवार से यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) में खेला जाएगा। कोहली ने दूसरे चरण के शुरू होने से पहले टीम की नीली जर्सी के लॉन्च करने के मौके पर पर पहले चरण में भाग लेने वाले एडम जम्पा और केन रिचर्डसन जैसे खिलाड़ियों को याद किया। कोहली ने कहा कि हमने बदलाव किए हैं, हमें उनकी जगह दूसरे खिलाड़ी मिले हैं। पहले चरण में हमारे साथ रहे केन रिचर्डसन, एडम जम्पा ने दूसरे चरण में नहीं खेलने का फैसला किया। उनके इस फैसले को समझा जा सकता है। कप्तान ने कहा कि उनकी जगह टीम में शामिल हुए दोनों खिलाड़ी ऐसे है जो इन परिस्थितियों को अच्छे से जानते हैं। वानिदु हसरंगा, दुशमंता चमीरा ने श्रीलंका में काफी क्रिकेट खेला है और जानते हैं कि इस तरह की पिचों में कैसे खेलना है। कोहली टीम का साथ छोड़ने वाले खिलाड़ियों के बारे में हमने ज्यादा चर्चा नहीं की है। हम इन नए खिलाड़ियों के आने से खुद को ज्यादा मजबूत महसूस कर रहे है। इन खिलाड़ियों ने टीम को नया आयाम दिया है। आरसीबी सात मैचों में पांच जीत के साथ लीग तालिका में फिल्हाल तीसरे स्थान पर है, लेकिन कप्तान ने कहा कि टीम दूसरे चरण की शुरुआत उसी जुनून और प्रतिबद्धता के साथ करेगी जो उन्होंने अप्रैल-मई में दिखाई थी। इस स्तर पर इतने लंबे समय तक खेलने के बाद आप समझते हैं कि चाहे आप लगातार सात मैच जीते हों, आपको उसी जुनून और प्रतिबद्धता और पेशेवर तरीके के साथ आठवें मैच में उतरना होता है। आप किसी भी चीज को हल्के में नहीं ले सकते। आरसीबी को सोमवार को अबुधाबी में कोलकाता नाइट राइडर्स से भिड़ना है। इस मैच में कोहली की अगुवाई वाली आरसीबी के खिलाड़ी नीली जर्सी पहने होंगे जो कोरोना वायरस महामारी के दौरान जान जोखिम में डाल कर काम करने वाले योद्धाओं के पीपीई किट के रंग की तरह होगी।

दिल्ली कैपिटल्स के भारतीय टेस्ट खिलाड़ियों ने अभ्यास शुरू किया

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स के भारतीय टेस्ट टीम के सदस्य जो इंग्लैंड से यूएई पहुंचे थे उन्होंने आईपीएल 2021 के दूसरे चरण को देखते हुए ट्रेनिंग शुरू कर दी है। दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी ने तेज गेंदबाज उमेश यादव और इशांत शर्मा तथा ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की नेट्स पर गेंदबाजी करते हुए तस्वीरें साझा कीं। विकेटकीपर बल्लेबाज और कप्तान ऋषभ पंत के साथ-साथ सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ भी नेट्स सेशन के दौरान बल्लेबाजी करते नजर आ रहे हैं। मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने पंत और भारतीय टेस्ट उपकप्तान अजिंक्य रहाणे के साथ चर्चा की। दिल्ली कैपिटल्स, जो आठ मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है, वह 22 सितंबर को यहां दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2021 के दूसरे चरण में अपने अभियान की शुरूआत करेगी। दिल्ली ने अब तक अपने छह मैच जीते हैं।

अनूठा है फूल-पौधों से हमारा रिश्ता

पौधे अपनी दुनिया में बहुत खुश रहते हैं, लेकिन वे हमें भी बहुत खुशी देते हैं। फूल-पौधों से हमारा रिश्ता बहुत अनूठा है। हम उनकी देखभाल करते हैं और वे भी हमें इमोशनल सपोर्ट देते हैं, हमारे शरीर को जरूरी पोषक तत्व देते हैं और हमारे उपचार में भी मदद करते हैं। फूल हमारे धार्मिक विश्वास से भी जुड़े हैं। यही वजह है कि हम पूजा में फूल, पत्ते आदि चढ़ाते हैं।

आदमी बहुत पुराने जमाने से फूल-पौधों से संवाद करता आ रहा है। प्रकृति के साथ हमारे रिश्ते फायदेमंद हो सकते हैं, अगर हम पौधों की बात समझने की कोशिश करें तो। फूल और पौधे अपने गुणों को, विशेषताओं को अपने रूप, काम और व्यवहार के माध्यम से बताते हैं। जिस तरह से वे परागणकों (पॉलीनेटर) को विकसित और आकर्षित करते हैं, जैसे वे दिखते हैं, जो उनका गंध, स्वाद, स्पर्श होता है, अगर उसको ऑब्जर्व किया जाए, तो उनकी भाषा को समझा जा सकता है।

फूल-पौधे देते हैं तकलीफ से राहत

हर्बल प्रोडक्ट यानी जड़ी-बूटियों, फूलों,

पत्तियों से बनी चीजों से किसी चीज के इलाज के बारे में तो तुमने सुना ही होगा, लेकिन क्या पता है कि सिर्फ फूलों के बीच मौजूद होने से भी फायदा होता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि फूल और पौधे किसी व्यक्ति की एनर्जी या स्पेस में बदलाव कर देते हैं, इसकी वजह से उस व्यक्ति को बहुत आराम मिलता है।

किसी को बस ताजे फूल देने या किसी ऐसी जगह ले जाने से आराम मिलता है, जहां जाने पर उसके इमोशन में बदलाव आ जाता है। तुमने भी नोट किया होगा कि फूलों के बगीचे में जाते ही मन खुश हो जाता है। अगर तुम थके हो, तो थकान दूर हो जाती है। वास्तव में फूल हमारी उम्मीदों और इमोशन को भी प्रकट करते हैं। इसीलिए खुशी के मौकों पर फूलों की सजावट की जाती है। शुभ अवसरों पर भी फूलों की रंगोली बनाई जाती है।

काठ का घोड़ा

सुबह के पांच बजे थे। अचानक आंख खुल गई। ड्राइंग रूम से कुछ आवाजें आ रही थीं। सुबह-सुबह मम्मी-पापा किससे बात कर रहे हैं, पिंकी ने सोचा। चुपचाप उठकर ड्राइंग रूम की ओर चल पड़ी। अरे यह क्या, सामने सोफे पर दादी जी बैठी थीं। दौड़कर वो दादी से लिपट गई। दादी ने लाड़ करते हुए कहा, 'अरे जाग गया मेरा बच्चा।'

आज पिंकी की पांचवीं बर्थडे थी। दादी गांव से उसके लिये ढेर सारे उपहार लाई थीं। सफेद झालर वाली गुलाबी फ्रॉक, मैचिंग वाले कड़े और हेयरबैंड भी। ये सब देखकर पिंकी बोली, थैंक्यू दादी। फिर दादी ने कहा, 'आंख बंद करो, तुम्हारे लिये एक खास उपहार है।' आंख बंद करते ही वो जिद करने लगी, 'अरे दादी कितना इंतजार कराओगी। दिखाओ न मेरा गिफ्ट।'

दादी ने थैले से एक खिलौना निकालकर कहा, 'अब आंखें खोलो।' यह था काठ का घोड़ा। घोड़ा काफी बड़ा था। इतना बड़ा कि पिंकी उस पर बैठकर सवारी कर सकती थी। पिंकी ने चहककर कहा, 'अरे यह तो कमाल का लगता है।' वो झट से घोड़े की पीठ पर बैठ गई। 'यह क्या, यह तो चल नहीं सकता,' पिंकी ने पूछा। दादी ने समझाया, 'बेटा, यह तो लकड़ी का बना है, भला ये कैसे चलेगा?' पापा ने भी समझाया, 'पिंकी, यह घोड़ा बहुत सुंदर है, लाओ मैं इसे शीशे वाली अलमारी में सजा देता हूं।'

लेकिन पिंकी रूठ गई। कहने लगी, 'दादी आप भी कैसा गिफ्ट लाई हैं, बैटरी वाला घोड़ा क्यों नहीं लाईं?' यह सुनकर दादी उदास हो गईं। बोलीं, 'कोई बात नहीं है बेटा, अगली बार तेरे लिये बैटरी वाला खिलौना ही लाऊंगी।' इसके बाद पिंकी ने ऐलान कर दिया, 'मैं स्कूल नहीं जाऊंगी। आज मेरा बर्थडे है, आज मैं घर पर रहूंगी।' मम्मी समझाने लगीं कि बर्थडे पार्टी तो शाम को है, सुबह स्कूल जाना चाहिये। पिंकी और मम्मी के बीच बहस चल रही थी कि पापा सामने आकर खड़े हो गये। उनके हाथ में एक बड़ा सा पैकेट था। उन्होंने कहा, 'आंख बंद करो, मैं एक चीज दिखाता हूं।' आंख खोली तो देखा कि पापा के हाथ में बड़ा सा पैकेट था। उसने पूछा, क्या है इसमें, तो पापा बोले, इसमें तुम्हारी क्लास के बच्चों के लिये गिफ्ट हैं। यह सरप्राइज है। पिंकी सरप्राइज के बारे में जानने को बहुत उत्सुक थी। उसने चिल्लाकर कहा, मम्मी मुझे जल्दी से तैयार कर दो, देर हो रही है।

स्कूल जाते वक्त बार-बार मन में ख्याल आ रहा था कि पापा क्या सरप्राइज गिफ्ट देने वाले हैं बच्चों को। स्कूल पहुंचकर पापा ने गिफ्ट वाला पैकेट क्लास टीचर को दे दिया। प्रार्थना के बाद टीचर ने पूरी क्लास के सामने पैकेट खोला। पैकेट खोलते ही उन्होंने हैरानी से कहा, 'अरे, इतने सुंदर काठ के घोड़े।' उनके हाथ में लाल, हरे, पीले, नीले रंग के छोटे-छोटे ढेर सारे घोड़े थे। टीचर ने पिंकी से पूछा, 'इतने सुंदर घोड़े कौन लाया?' पिंकी समझ गई थी कि ये घोड़े जरूर दादी ही लाई होंगी। उसने कहा, 'मैम, मेरी दादी लाई हैं गांव से।' टीचर ने सारे बच्चों को एक-एक घोड़ा बांट दिया। बच्चों को उपहार बहुत पसंद आया। इससे पहले बच्चों को कई बार चॉकलेट, स्केच पेन सेट, पेंसिल बॉक्स आदि चीजें बांटी गई थीं, पर ऐसा तोहफा पहली बार मिला था। इंटरवल के दौरान कई बच्चों ने पिंकी को थैंक्यू कहा। पिंकी की खास दोस्त टीना ने कहा, 'मेरी तरफ से अपनी दादी को स्पेशल थैंक्स कहना। मुझे काठ का घोड़ा बहुत पसंद आया।' पिंकी हैरान थी कि भला ऐसा घोड़ा जो चल नहीं सकता उसे पाकर बाकी बच्चे खुश क्यों हो रहे हैं?

शाम को घर पर पार्टी हुई। पड़ोस के तमाम बच्चे शामिल हुए। पापा के ऑफिस से भी कई लोग आये थे। पिंकी को तरह-तरह के गिफ्ट मिले। सुनहरे बालों वाली डॉल, बैटरी वाली मोटरगाड़ी और मैजिक गेम्स भी। पर दादी का लाया काठ का घोड़ा सबकी पसंद बना हुआ था। दरअसल पापा ने दादी के इस खास उपहार को ड्राइंग रूम की अलमारी में सजा दिया था। हर कोई उस घोड़े के बारे में पूछा रहा था। पिंकी मन ही मन परेशान थी कि आखिर लकड़ी का घोड़ा सबको क्यों पसंद आ रहा है, जबकि ये तो चल भी नहीं सकता।

तभी पड़ोस में रहने वाली परी ने कहा, 'दादी जी, मुझे भी यह घोड़ा चाहिये।' उन्होंने समझाया, 'बेटा अगली बार जरूर लाऊंगी।' पर परी कहां मानने वाली थी। उसने जिद पकड़ ली। 'पापा, चलो मॉल चलते हैं। वहां से खरीद लेंगे।' पिंकी की मम्मी ने समझाया कि बेटा इस तरह का घोड़ा मॉल में नहीं मिलेगा। यह तो दादी जी के हाथों का कमाल है। यह सुनकर सब चौंक गये। परी के पापा ने हैरानी से पूछा, 'मां जी, यह घोड़ा आपने अपने हाथों से बनाया है, इतना सुंदर घोड़ा बनाना कहां से सीखा?' दादी बोलीं, 'बेटा यह लंबी कहानी है।' सारे मेहमान ड्राइंग रूम में जमा हो गये उनकी कहानी सुनने। दादी बताने लगीं, बेटा, तुम्हारे दादा जी लकड़ी के बड़े अच्छे कारीगर थे। वो लकड़ी के सुंदर खिलौने बनाते थे। हमारी छोटी सी दुकान थी। मैं उन खिलौनों को रंगने में उनकी मदद करती थी।

फिर अचानक तुम्हारे दादा जी गुजर गये। उस समय पिंकी के पापा यानी मेरा बेटा पढ़ाई कर रहा था। अब घर चलाने की जिम्मेदारी मुझ पर थी। मैंने भी दादा जी की तरह खिलौने बनाने की कोशिश की, पर मेरे अंदर उनके जैसा हुनर नहीं था। दादा जी तो लकड़ी से हाथी, शेर, बैलगाड़ी और ना जाने क्या-क्या बनाते थे। मैंने हार नहीं मानी। लगातार कोशिश के बाद मैं काठ का घोड़ा बनाना सीख गई। परी के पापा ने कहा, 'मां जी, वाकई आपके हाथों में जादू है। यह घोड़ा देखकर लगता है कि बस अभी चल पड़ेगा। पास के मॉल में मेरे दोस्त का शो रूम है। मुझे यकीन है कि अगर ये घोड़ा शो रूम में रखा जाये तो हाथो-हाथ बिक जायेगा।' दादी ने कहा, 'बेटा, यह घोड़ा मैं बेचने के लिये नहीं, अपनी पिंकी के खेलने के लिये लाई हूं।' तभी पिंकी बोली, 'दादी, घोड़ा अंकल को दे दो। आप बाद में मुझे बैटरी वाला खिलौना लाकर दे देना।' यह सुनकर दादी उदास हो गईं। अंकल घोड़ा लेकर चले गये।

अगले दिन शाम को वो घर आये और दादी से बोले, 'मां जी, कमाल हो गया। मेरे दोस्त ने आपको सौ घोड़े बनाने का ऑर्डर दिया है। मॉल में आने वाले बच्चों को काठ का घोड़ा बहुत पसंद आ रहा है।' दादी के चहरे पर चमक थी। बोलीं, 'सौ घोड़े! इतने घोड़े बनाने में तो मुझे दो महीने लगेंगे।' पापा ने समझाया, 'मां, इतना बड़ा ऑर्डर मिला है, इसे हाथ से मत जाने दो। मैं कल ही आपके साथ गांव चलता हूं। वहां हम किसी और कारीगर की मदद लेंगे और एक महीने में सौ घोड़े तैयार कर लेंगे।' यह सुनकर दादी खुश हो गईं। अगले दिन दादी गांव वापस चली जायेंगी, इस बात से पिंकी परेशान थी। उसे इस बात का भी दुख था कि उसने दादी के उपहार को खराब कहकर उनका दिल तोड़ा। रात में वो चुपचाप दादी के बगल में लेट गई। दादी ने प्यार से गले लगाते हुए पूछा, 'क्या हुआ पिंकी, कुछ चाहिए तुझे?' पिंकी बोली, 'हां दादी, मुझे काठ का घोड़ा चाहिए। आपने मेरा घोड़ा मॉल में भेज दिया और अब आप गांव से नया घोड़ा लायेंगी।'

घोंघे के दांतों की संख्या 25,000 तक हो सकती है

गिरगिट देखने में भले ही छोटा लगता हो, पर इसकी जीभ बहुत लंबी है। यह अपनी जीभ को अपने शरीर की लंबाई से तीन गुना फैला सकता है।

पक्षी अंतरिक्ष में नहीं रह सकते हैं, क्योंकि उन्हें गुरुत्वाकर्षण की आवश्यकता होती है या वे वहां अपना खाना निगल भी नहीं सकते हैं।

एक घोंघे का मुंह सुई की नोंक से ज्यादा बड़ा नहीं होता, मगर उसके दांतों की संख्या 25,000 हो सकती है। इसके दांत नियमित दांतों की तरह नहीं होते हैं, बल्कि उसके दांत जीभ पर पंक्तियों में व्यवस्थित होते हैं। यही नहीं, घोंघा के दांत पृथ्वी पर ज्ञात सबसे मजबूत पदार्थ टाइटेनियम से भी मजबूत होते हैं।

दांतों की तरह ही घोंघे का सोने का तरीका भी बहुत अजीब है। यह सबसे लंबी नींद लेने के लिए भी जाना जाता है यानी यह लगभग तीन साल तक लगातार सो सकता है।

मच्छरों की तरह ही तुम शायद चमगादड़ को पसंद नहीं करते होगे। पर शायद तुम्हें पता नहीं कि वे एक रात में 3,000 कीड़े खा जाते हैं।

Llanfairpwllgwyngllgogerychwrndrowbillanstsligoch

जानते हो, यह एक शहर का नाम है, जो वेल्स में स्थित है। तो क्या तुम इसका सही-सही उच्चारण कर सकते हो।

हाथी का दांत दुनिया का सबसे बड़ा दांत माना जाता है, जिसका वजन चार सौ पाउंड के करीब होता है।

वैसे तो हम सबकी आंखों की पुतलियां (प्यूपल) गोल होती हैं, मगर बकरियों की आंखों में आयताकार पुतलियां होती हैं।

क्या तुम्हें पता है कि एक साल में 31,556,926 सेकंड होते हैं।

डाइट सोडा का केन पानी में तैरने लगते हैं, लेकिन नियमित सोडा के डिब्बे डूब जाते हैं।

कागज पर नीबू का जादू

यह प्रयोग नीबू से जुड़ा हुआ है। तुम इस प्रयोग को जादू भी कह सकते हो। तो चलो इस बार बनाते हैं, न दिखने वाली एक स्याही। फिर करते हैं इससे मैजिक। इस प्रयोग को करने के लिए तुम्हें जिन चीजों की जरूरत पड़ेगी, वे हैं- नीबू, एक छोटी कटोरी, पानी, पेंट ब्रश, एक चम्मच और सफेद कागज।

इसे कैसे करना है

सबसे पहले न दिखने वाली स्याही तैयार करनी है। मम्मी की मदद से नीबू को काटकर दो टुकड़ा कर लो। अब इसका रस एक कटोरी में निकालो। नीबू का बीज निकालकर बाहर कर लो। इसमें पानी की कुछ बूंदें मिलाओ और फिर इसे चम्मच से अच्छी तरह से मिक्स कर लो। अब इस पारदर्शी स्याही से पेंट ब्रश की मदद से सादे कागज पर कुछ भी लिखो। अपने दोस्त को कोई मैसेज लिखकर दे सकते हो। इसके बाद इसे सूखने के लिए छोड़ दो। अब देखो क्या हुआ? कागज पर कोई मैसेज दिख रहा है। शायद नहीं! तो तुम्हारा मैसेज कहां गया? अपने दोस्त को इसे पढ़ने के लिए दो। नहीं पढ़ पाए न! कोई नहीं, अब इसे किसी रोशनी के स्रोत यानी लैंप या मोमबत्ती की रोशनी के पास ले जाओ और फिर देखो कमाल।

इस जादू के पीछे का राज

कागज पर नीबू के रस से जो कुछ भी तुमने लिखा है, वह गर्मी पाकर विघटित होने लगता है और कार्बन छोड़ता है। एक बार जब कार्बन हवा को छूता है, तो यह ऑक्सीकरण करता है, तो यह ब्राउन या ब्लैक दिखने लगता है, जिससे तुम अपने लिखे मैसेज को पढ़ पाते हो। देखा! अदृश्य स्याही से गुप्त संदेश का पता कैसे चलता है?

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

संयुक्त राष्ट्र ने कहा, भारत द्वारा दिए गए कोविड-19 रोधी टीकों का भंडार खत्म

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता ने कहा कि भारत द्वारा इस साल की शुरूआत में शांति रक्षकों के लिए दान दिए गए कोविड-19 रोधी टीकों का भंडार खत्म हो गया है। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने शुक्रवार को अपने नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संयुक्त राष्ट्र को चीन से कोविड-19 रोधी टीकों की 3,00,000 खुराक दान में मिली है। उन्होंने कहा, ''यह दान बहुत ही महत्वपूर्ण समय में किया गया है क्योंकि इस साल मार्च में भारत सरकार द्वारा दान दिए गए टीकों का भंडार खत्म हो गया है।'' भारत ने संयुक्त राष्ट्र के सभी मिशनों में उसके शांति रक्षकों के लिए एस्ट्राजेनेका के कोविड-19 रोधी टीकों की 2,00,000 खुराक भेंट की थी। भारत, संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा मिशनों में सबसे अधिक सैनिक भेजने वाले देशों में से एक है। चीन में सिनोफार्म द्वारा निर्मित टीकों को इस साल की शुरुआत में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आपात इस्तेमाल के लिए सूचीबद्ध किया था और इसे संयुक्त राष्ट्र कर्मियों तथा शांति रक्षकों को दिया जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई लॉकडाउन को 70 प्रतिशत वैक्स रेट पर खत्म करना समझदारी नहीं

कैनबरा। ऑस्ट्रेलियाई राजधानी क्षेत्र (एसीटी) के मुख्यमंत्री एंड्रयू बर ने शनिवार को कहा कि देश में तीसरे चरण की लड़ाई जारी है, ऐसे में 70 फीसदी वयस्कों को पूरी तरह से टीका लग जाने के बाद जरूरी नहीं कि इस क्षेत्र में महामारी की लहर खत्म हो जाए। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बर ने कहा कि कैनबरा के लॉकडाउन को हटाना विवेकपूर्ण नहीं होगा जब एसीटी वैक्सीन मील के पत्थर तक पहुंच नहीं पहुंच जाता है, अगर कोविड -19 अभी भी समुदाय में प्रमुख है। राष्ट्रीय मंत्रिमंडल, जिसमें प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और राज्य और क्षेत्र के नेता शामिल हैं, ने जुलाई में महामारी से बाहर एक सरकारी रोडमैप पर हस्ताक्षर किए। चार चरण की योजना के तहत, जो संक्रमण और प्रतिरक्षा के लिए डोहर्टी इंस्टीट्यूट से मॉडलिंग पर आधारित थी, नेताओं ने कोरोनोवायरस प्रतिबंधों को कम करने और धीरे-धीरे लॉकडाउन को समाप्त करने पर सहमति व्यक्त की, जब उनके संबंधित राज्यों और क्षेत्रों में 16 से अधिक वर्षों के 70 से 80 प्रतिशत के खिलाफ टीका लगाया गया है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कैलाश सत्यार्थी को नियुक्त किया एसडीजी पैरोकार

सितंबर नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने महासभा की 76 वीं बैठक से पहले सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) पैरोकार नियुक्त किया है। गुतारेस ने सत्यार्थी, स्टेम कार्यकर्ता वैलेंटिना राबानल, माइक्रोसॉफ्ट के अध्यक्ष ब्रैड स्मिथ और के-पॉप सुपरस्टार बलैक पिंक को नया एसडीजी पैरोकार नियुक्त किया है। गुतारेस ने कहा, '' हम अहम पड़ाव पर हैं हम अभी जो चुनाव करते हैं, वे हमें या तो भावी संकट की ओर धकेल सकते हैं या फिर हरे-भरे एवं सुरक्षित विश्व की ओर ले जा सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि एसडीजी पैरोकार नये लक्ष्यों की ओर बढ़ने के वास्ते अभी से कदम उठाने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हैं और लोगों एवं ग्रह के लिए सततविकास लक्ष्यों के वादे को पूरा करते हैं। सत्यार्थी ने इस नियुक्ति को लेकर संरा प्रमुख को धन्यवाद दिया है।

कोविड के खिलाफ लड़ाई में लैंगिक वेतन अंतर को पाटने का अवसर

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि कोविड -19 के खिलाफ लड़ाई एक नया सामाजिक अनुबंध लिखने के लिए एक पीढ़ीगत अवसर प्रदान करती है जो समान वेतन के अधिकार सहित महिलाओं के मानवाधिकारों को बरकरार रखती है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समान वेतन दिवस 18 सितंबर को एक संदेश में कहा, यह न्याय का मामला है और हम सभी के लिए जिम्मेदारी है । गुटेरेस ने कहा, कोविड -19 ने घोर अन्याय पर से पर्दा हटा दिया। बच्चों की परवरिश के काम के लिए मुआवजे की कमी और ऐसे लोगों की देखभाल करना जो खुद की देखभाल नहीं कर सकते, जो कि बड़े पैमाने पर महिलाओं द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा, औपचारिक अर्थव्यवस्था से बाहर और घर में देखभाल के काम को आगे बढ़ाकर, महामारी ने लिंग वेतन अंतर को बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि कई महिलाएं बच्चों की परवरिश करते हुए, ऑनलाइन स्कूल से निपटने के दौरान और बीमार या कमजोर परिवार के सदस्यों की देखभाल के लिए बिना भौतिक मुआवजे के भुगतान की गई नौकरियों को रोकने के लिए संघर्ष कर रही हैं।

संयुक्त राष्ट्र, इथियोपिया के टाइग्रे में राहत लाने के लिए कर रहा काम

संयुक्त राष्ट्र। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा कि वे न केवल इथियोपिया के संघर्ष प्रभावित टाइग्रे क्षेत्र में अधिक राहत काफिले लाने के लिए काम कर रहे हैं, बल्कि खाली डिलीवरी ट्रकों को भी बाहर निकालने के लिए काम कर रहे हैं। ओसीएचए ने कहा, संयुक्त राष्ट्र तत्काल सभी पक्षों के साथ जुड़ रहा है, जिसमें टाइग्रे में ट्रांसपोर्टर और स्थानीय प्राधिकरण शामिल हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ट्रक को टाइग्रे छोड़ने से रोकने वाले किसी भी लॉजिस्टिक मुद्दे को हल किया जा सके, साथ ही सहायता ऑपरेशन के लिए अतिरिक्त ट्रक उपलब्ध कराने के लिए काम किया जा सके। इथियोपिया के सबसे उत्तरी क्षेत्र में मानवीय कार्यों के लिए नवीनतम बाधा में, कार्यालय ने कहा कि कुछ ट्रक जो सफलतापूर्वक उलझे हुए टाइग्रे में आ गए, उन्हें सहायता कार्गो के अधिक भार के लिए लौटने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा। ओसीएचए ने कहा कि चालक अपनी सुरक्षा के लिए सड़क पर वापस जाने के लिए अनिच्छुक हैं या ईंधन की कमी है। मानवतावादियों ने कहा कि कई ट्रक, जिनमें ज्यादातर विश्व खाद्य कार्यक्रम और अन्य एजेंसियों द्वारा अनुबंधित निजी कंपनियों के वाहन हैं, वापस नहीं आए हैं।

सिर पर साफा और हाथों में मोर्टार लिए दिखे जो बाइडेन, तालिबान को फिर से महान बनाने का भी दिया गया क्रेडिट, जानें क्या है पूरा मामला

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद से ही अमेरिका में डेमोक्रेट राष्ट्रपति के प्रति नाराजगी देखने को मिल रही है। बाइडेन को इसकी वजह से खुद के लिए तालिबानी आतंकी जैसे शब्द भी सुनना पड़ रहा है। अफगानिस्तान में 20 साल का युद्ध क्या खत्म हुआ राष्ट्रपति बाइडेन के लिए स्थितियां ही पलट गई है। ठीक एक साल पहले तक वो लोकप्रियता के नए आयामों को छू रहे थे। लेकिन एक साल बाद लोग उन्हें आतंकी तक कहने से पीछे नहीं हट रहे हैं। ताजा घटना उनके गृह नगर पेंसिल्वेनिया की है। जहां बिल बोर्ड लगे हैं और उन्हें तालिबानी आतंकी की तरह दिखाया गया है।

अमेरिकी राज्य पेंसिल्वेनिया में बाइडेन का विरोध करते हुए पोस्टर लगाए गए हैं। इनमें बाइडेन को तालिबान के लड़ाकों की ड्रेस में दिखाया गया है। जिसमें वे सिर पर साफा बांधे और हाथों में मोर्टार थामे नजर आ रहे है। इसके साथ ही पोस्टर में लिखा है- 'मेकिंग तालिबान ग्रेट अगेन'। ट्रंप के समर्थक माने जाने वाले पेंसिल्वेनिया के पूर्व सीनेटर स्कॉट वैगनर ने बाइडेन के खिलाफ पोस्टर लगवाए हैं। लगभग 15,000 डॉलर की लागत से राजमार्गों पर एक दर्जन से अधिक बिलबोर्ड किराए पर लेकर लगवाए गए हैं।

बता दें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चुनावी अभियान के प्रचलित स्लोगन- 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन', की तर्ज पर ही होर्डिंग में 'मेकिंग तालिबान ग्रेट अगेन' लिखा गया है। यॉर्क डेली रिकॉर्ड की रिपोर्ट के अनुसार पूर्व सीनेटर वैगनर ने कई दिग्गजों से मुलाकात की, जिन्होंने वर्षों में अफगानिस्तान में अपने सबसे लंबे युद्ध में संयुक्त राज्य की सेवा की। वैगनर ने कहा कि इनमें से कई सैनिकों ने अपने पूरे शरीर - अंगों और मानस - को इस कारण के लिए बलिदान कर दिया।

जयशंकर से सहमति जताते हुए चीन ने कहा, चीन-भारत संबंधों के अपने 'तर्क' हैं

अकरा (एजेंसी)।

चीन ने शुक्रवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर के उस बयान पर सहमति जताई, जिसमें उन्होंने कहा कि बीजिंग को भारत के साथ अपने संबंधों को किसी तीसरे देश के नजरिये से नहीं देखना चाहिए।

चीन ने कहा कि चीन-भारत के संबंधों के अपने तर्क हैं। जयशंकर ने दुशान्बे में अपने चीनी समकक्ष वांग यी से कहा कि दोनों पक्षों को पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से संबंधित लंबित मुद्दों का जल्द समाधान निकालने के लिए काम करना चाहिए। दुशान्बे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से इतर एक बैठक में बृहस्पतिवार को जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों को ''परस्पर सम्मान'' आधारित संबंध स्थापित करना होगा जिसके लिए यह आवश्यक है कि चीन, भारत के साथ अपने संबंधों को, तीसरे देशों के साथ अपने संबंधों के दृष्टिकोण से देखने से बचे।

ट्विटर पर जयशंकर ने कहा, 'यह भी जरूरी है कि चीन भारत के साथ अपने संबंधों को किसी तीसरे देश की नजर से न देखे।' इससे पहले, चीन के विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को हुई वार्ता के बारे में अपने बयान में वांग का हवाला देते हुए कहा, 'चीन-भारत सीमा मुद्दे का समुचित समाधान तलाशने के लिये चीन हमेशा सकारात्मक रहा है।' जयशंकर की टिप्पणी को लेकर पूछे गए सवाल पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने प्रेसवार्ता के दौरान कहा, हम भारतीय पक्ष की टिप्पणी से सहमत हैं कि द्विपक्षीय संबंधों को किसी तीसरे पक्ष की नजर से देखने से बचा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, चीन और भारत दोनों महत्वपूर्ण एशियाई देश हैं। संबंध विकसित करने के लिए दोनों देशों का एक अंतर्निहित आवश्यक तर्क है। चीन-भारत के संबंध कभी किसी तीसरे पक्ष को निशाना नहीं बनाते। मीडिया ब्रीफिंग के कुछ घंटों बाद विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध लिखित बयान के मुताबिक, झाओ ने कहा, 'मेरा मानना है कि मैंने बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है। चीन-भारत संबंधों के विकास का अपना तर्क है। चीन-भारत संबंध किसी तीसरे पक्ष को निशाना नहीं बनाते और ना ही किसी तीसरे पक्ष पर आधारित हैं। बयान के मुताबिक, वांग ने उल्लेख किया कि विदेशी और सैन्य विभागों के माध्यम से दोनों पक्षों के बीच हालिया संचार गंभीर और प्रभावी था और सीमा क्षेत्र में समग्र (तनावपूर्ण) स्थिति 'धीरे-धीरे कम हो गई है।'

बयान में कहा गया कि मंत्री वांग ने उम्मीद जताई, 'भारत सीमा की स्थिति को स्थिरता की ओर ले जाने के लिए आधी दूरी तय कर चीन से मुलाकात करेगा और इसे 'तत्काल विवाद समाधान से नियमित प्रबंधन और नियंत्रण÷ में स्थानांतरित कर देगा।' उन्होंने कहा, ÷दोनों पक्षों को सीमावर्ती क्षेत्र में अमन-चैन की संयुक्त रूप से रक्षा करने और सीमा विवाद की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए अग्रिम पंक्ति के सैनिकों के पीछे हटने के परिणामों को मजबूत करने और प्रोटोकॉल व समझौतों के साथ ही दोनों देशों के बीच सहमति का सख्ती से पालन करने की आवश्यकता है।' पैंगोंग झील इलाके में हिंसक संघर्ष के बाद पिछले साल पांच मई को भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच सीमा पर गतिरोध की स्थिति बन गई थी। दोनों पक्षों ने धीरे-धीरे सीमा पर अपनी तैनाती बढ़ाई और हजारों सैनिकों तथा भारी हथियारों को वहां पहुंचाया। दोनों पक्षों ने सैन्य और राजनयिक वार्ताओं की श्रृंखला के परिणामस्वरूप पिछले महीने गोगरा इलाके में सैनिकों की पूरी तरह वापसी की प्रक्रिया पूरी की। दोनों पक्षों ने सीमा से पीछे हटने के समझौते के तहत फरवरी में पैंगोंग झील के उत्तरी और दक्षिणी किनारों से सैनिकों और हथियारों की वापसी की प्रक्रिया पूरी की। इस समय संवेदनशील क्षेत्र में एलएसी के आसपास प्रत्येक पक्ष के करीब 50-60 हजार सैनिक तैनात हैं।

तालिबान में नहीं होगा महिलाओं का मंत्रालय! पुरूष सदस्यों वाले मंत्रालय का हुआ गठन

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान के तालिबान शासकों ने महिलाओं के मंत्रालय की जगह पूर्ण रूप से पुरूष सदस्यों वाले 'गुनाह एवं नैतिक गुण मंत्रालय' का गठन किया है, जिसे इस्लाम को तालिबान की कठोर व्याख्या के साथ से लागू करने की जिम्मेदारी दी गई है। शनिवार को उठाया गया यह कदम तालिबान के 1990 के दशक के कठोर शासन के दौर में वापस ले जाने की दिशा में एक ताजा घटनाक्रम है।

नये मंत्रालय के अंदर मौजूद तालिबान ने कहा कि उसे इस बारे में जानकारी नहीं है कि महिलाओं के नये मंत्रालय के गठन की क्या कोई योजना है। शनिवार को ही विश्व बैंक की 10 करोड़ डॉलर की महिला आर्थिक सशक्तिकरण एवं ग्रामीण विकास कार्यक्रम के कर्मचारियों को हटा दिया गया। कार्यक्रम के एक सदस्य शरीफ अख्तर ने कहा कि उन्हें समझ में नहीं आ रहा है कि क्या कार्यक्रम जारी भी रह पाएगा। अख्तर को उनके कर्मचारियों के साथ हटा दिया गया।

दक्षिण अफ्रीकियों ने नगर निगम चुनावों के लिए पंजीकरण करने का अनुरोध किया

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका में राजनीतिक दलों, सांसदों और चुनावी निकाय ने नागरिकों से आगामी 20 सितंबर की समय सीमा से पहले आगामी नगरपालिका चुनावों के लिए पंजीकरण करने का आग्रह किया है, जिसमें 23,151 से अधिक पंजीकरण स्टेशन सप्ताहांत में खुलने वाले हैं। समाचार एजेंसी किी रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका के चुनाव आयोग ने 6 सितंबर को घोषणा की कि शनिवार से रविवार तक पंजीकरण सप्ताहांत के बाद मतदाताओं के लिए पंजीकरण 20 सितंबर को बंद हो जाएगा, जो सभी योग्य दक्षिण अफ्रीकी नागरिकों को सभी मतदान में अपने पंजीकरण विवरण को पंजीकृत करने या अपडेट करने का अवसर प्रदान करेगा।

हर पांच साल में होने वाले नगरपालिका चुनाव देश भर में 200 से अधिक नगर पालिकाओं में महानगरीय, जिला और स्थानीय स्तर पर नेतृत्व का चुनाव करेंगे, जो दैनिक आधार पर दक्षिण अफ्रीकी नागरिकों को सीधे प्रभावित करने वाली सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संसद के सहकारी शासन और पारंपरिक मामलों की पोर्टफोलियो समिति के अध्यक्ष फिकिले जासा ने शुक्रवार को चुनावों में सभी नागरिकों से अधिकतम भागीदारी का आह्वान किया, क्योंकि स्थानीय सरकारें दक्षिण अफ्रीकी राज्य प्रणाली में सेवा वितरण का इंजन हैं।

जासा ने यहां जारी एक बयान में कहा, सभी पात्र दक्षिण अफ्रीकी, विशेष रूप से युवाओं से, पंजीकरण स्टेशनों पर कोविड -19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए मतदान करने के लिए पंजीकरण करने का आग्रह किया। यह फोन तब आया जब देश की दो सबसे बड़ी पार्टियां अपने समर्थकों को चुनाव के लिए पंजीकरण कराने के लिए लामबंद कर रही थीं। अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस (एएनसी), जो 1994 में दक्षिण अफ्रीका के पहले लोकतांत्रिक चुनाव के

बाद से सत्ताधारी पार्टी है, ने गुरुवार को घोषणा की कि राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और अन्य अधिकारी पंजीकरण सप्ताहांत का लाभ उठाने और पार्टी को वोट देने के लिए जमीन पर समुदायों को प्रोत्साहित करेंगे। इसने यह भी घोषणा की कि रामफोसा और अन्य एएनसी नेता 27 सितंबर को प्रिटोरिया की प्रशासनिक राजधानी वाले शहर तशवने में चुनावी घोषणापत्र शुरू करने के बाद सामुदायिक जुड़ाव का संचालन करेंगे। एएनसी कथित तौर पर 93 नगरपालिकाओं में सभी उम्मीदवारों को पंजीकृत करने में विफल रही, जिनमें से 35 तकनीकी समस्याओं के कारण मूल समय सीमा से पहले काफी प्रभावित हुई थीं।

काबुल ड्रोन हमला एक गलती! शीर्ष अमेरिकी सैन्य कमांडर ने दुखद गलती पर माफी मांगी

काबुल (एजेंसी)।

अमेरिकी सेना ने पिछले महीने काबुल में आईएसआईएस-के आतंकवादियों को निशाना बनाते हुए ड्रोन हमले की गलती को स्वीकार कर लिया है। बता दें कि इस आत्मघाती हमले में सात बच्चों सहित 10 नागरिकों की मौत हो गई थी। अमेरिका ने अपने बयान को पलटते हुए अपनी इस दुखद गलती के लिए माफी मांगी है।यूएस सेंट्रल कमांड के कमांडर जनरल फ्रैंक मैकेंजी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि, इस बात की संभावना नहीं है कि ड्रोन हमले में मारे गए लोग ढ्ढस्ढ्ढस्-च से जुड़े थे।

पेंटागन के अधिकारियों ने दावा करते हुए बताया कि इस हमले में नागरिकों के हताहत होने की रिपोर्ट भी सामने आई थी। इस गलती के लिए अब जनरल

मैकेंजी ने माफी मांगी है और कहा है कि अमेरिका पीड़ितों के परिवार को भुगतान करने पर विचार कर रहा है।एक पेंटागन समाचार सम्मेलन में संवाददाताओं से आगे कहा कि, 'यह एक गलती थी, और मैं अपनी ईमानदारी से माफी मांगता हूं। लड़ाकू कमांडर के रूप में, मैं इस हमले और इस दुखद परिणाम के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार हूं,'।

ब्रिटेन ने अंतर्राष्ट्रीय यात्रा को आसान बनाने के लिए ट्रैफिक लाइट सिस्टम को खत्म किया

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के परिवहन सचिव ग्रांट शाप्स ने घोषणा की कि कोविड-19 महामारी के बीच अंतर्राष्ट्रीय यात्रा को आसान बनाने के लिए रेड, अम्बर और ग्रीन देशों की मौजूदा ट्रैफिक लाइट सिस्टम को खत्म कर दिया जाएगा। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय यात्रा में बदलाव की सरकार की योजना के तहत, 4 अक्टूबर से केवल एक लाल सूची होगी और अन्य सभी देशों को यात्रा के लिए स्पष्ट माना जाएगा।

परिवहन सचिव ने शुक्रवार को कहा, आज के बदलावों का मतलब है एक सरल, ज्यादा सीधी प्रणाली। कम परीक्षण और कम लागत वाला, यात्रा उद्योग को बढ़ावा देने के साथ-साथ अधिक लोगों को यात्रा करने, प्रियजनों को देखने या दुनिया भर में व्यापार करने की इजाजत देता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य हमेशा हमारी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा नीति के केंद्र में रहा है और यूके में 4.4 करोड़ से अधिक लोगों को पूरी तरह से टीका लगाया गया है, अब हम एक आनुपातिक अद्यतन संरचना पेश करने में सक्षम हैं जो नए परिदृश्य को दर्शाता है।

सरकार ने यह भी घोषणा की है कि 22 सितंबर को सुबह 4 बजे से आठ देशों- तुर्की, पाकिस्तान, मालदीव, मिस्र, श्रीलंका, ओमान, बांग्लादेश, केन्या को रेड लिस्ट से हटा दिया जाएगा। पिछली अम्बर और हरी सूचियां शेष विश्व (आरओडब्ल्यू) सूची में विलय हो जाएंगी।

इस सूची में किसी देश में कोई भी व्यक्ति जिसे पूरी तरह से टीका लगाया गया है, उसे इंग्लैंड की यात्रा से तीन दिन पहले पीसीआर परीक्षण नहीं कराना पड़ेगा। अक्टूबर के अंत से, गैर-लाल सूची वाले देशों के पूरी तरह से टीकाकरण वाले यात्री दूसरे दिन के पीसीआर परीक्षणों को सस्ते पार्श्व प्रवाह परीक्षणों से बदल सकेंगे। पॉजिटिव परीक्षण करने वाले किसी भी व्यक्ति को एक निशुल्क पुष्टिकरण पीसीआर परीक्षण को अलग करने और लेने की आवश्यकता होगी, जिसे नए वेरिएंट की पहचान करने में मदद करने के लिए जीनोमिक रूप से अनुक्रमित किया जाएगा। हालांकि, जो लोग रेड लिस्ट वाले देशों में से एक में जाते हैं, उन्हें अभी भी ब्रिटेन आने पर एक क्वारंटीन होटल में 11 रातें बिताने की आवश्यकता होती है।

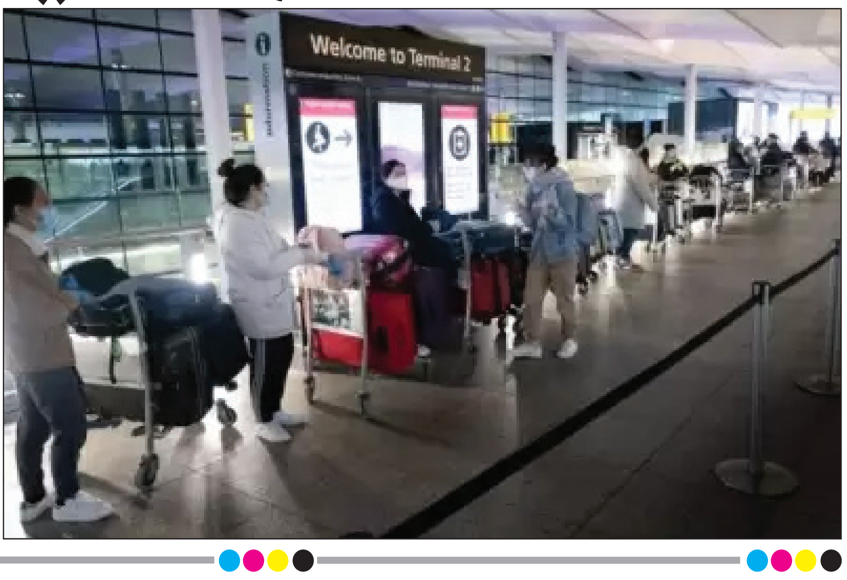

सार समाचार

टेरर मॉड्यूल : आईईडी छिपाने के आरोपी शख्स ने किया बेगुनाही का दावा, किया आत्मसमर्पण

नई दिल्ली। देश में आतंकी हमलों को अंजाम देने के लिए प्रयागराज में अपने पोल्ट्री फार्म में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) छिपाने के आरोप का सामना करने वाले एक व्यक्ति ने शनिवार को फेसबुक वीडियो में खुद को निर्दोष बताया। दिल्ली पुलिस और उत्तर प्रदेश के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) की स्पेशल सेल ने एक बड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था और छह आतंकी संदिग्धों को गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई में पुलिस ने शाहरुख नाम के शख्स के पोल्ट्री फार्म से आईईडी बरामद किया था। रिकॉर्ड किए गए वीडियो में, शाहरुख ने खुद को बेगुनाह बताया और कहा कि उसे गिरफ्तार आतंकवादी संदिग्ध जीशान द्वारा नौकरी की पेशकश की गई थी और प्रस्ताव के बदले उन्हें पोल्ट्री फार्म में कुछ आर्टिकल रखने के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि बैग के अंदर क्या छिपा था। जीशान ने मुझे उन्हें न छूने के लिए कहा था। मुझे नहीं पता था कि विस्फोटक थे। यह बताते हुए कि वह पिछले 2-3 दिनों से क्यों भाग रहा था, शाहरुख ने कहा कि जब उसे पता चला कि पुलिस और एटीएस ने उसके पोल्ट्री फार्म पर छापा मारा है तो वह घबरा गया। उन्होंने कहा, आज मैं प्रयागराज पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने जा रहा हूं क्योंकि मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। विशेष रूप से, आईएसआई प्रशिक्षित आतंकवादी ओसामा के चाचा हुमैद-उर-रहमान ने भी प्रयागराज में उत्तर प्रदेश पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, रहमान ने शुक्रवार को करेली थाने में आत्मसमर्पण कर दिया।

मुख्यमंत्री पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गोवा के कैसीनो को फिर से शुरू करें : मंत्री

पणजी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राज्य में पर्यटन के पुनरुद्धार के बारे में पॉजिटिव संकेत दिए जाने और पहली कोविड वैक्सीन खुराक के 100 प्रतिशत कवरेज के लिए गोवा की सराहना करने के तुरंत बाद, गोवा के बंदरगाह मंत्री माइकल लोबो ने मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत से राज्य में कैसीनो उद्योग को फिर से शुरू करने का आग्रह किया। लोबो राज्य के लोगों के साथ मोदी की वर्चुअल बातचीत की समाप्ति के तुरंत बाद, मुख्यमंत्री की उपस्थिति में संवाददाताओं से कहा, गोवा आर्थिक गतिविधि (कैसीनो के फिर से खुलने) से बढ़ेगी चाहे वह टैक्सी, सुपर मार्केट आदि हो। हमारा अनुरोध है कि गोवा राज्य में पर्यटन के हित में कैसीनो गतिविधि जल्द से जल्द शुरू होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने हालांकि कहा कि कैसीनो उद्योग को फिर से शुरू करने से राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी, उन्होंने यह भी कहा कि सरकार जल्द ही इस मामले पर निर्णय लेगी। लोबो ने यह भी कहा कि मानसून प्रभावित समुद्र शांत होने के बाद कुछ दिनों में अवकाश नौकाएं 60 से 70 प्रतिशत की क्षमता से संचालित होंगी।

थरूर ने कांग्रेस में तत्काल नेतृत्व बदलने की मांग की

तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम से तीन बार के लोकसभा सदस्य शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व नया होना चाहिए। उन्होंने कहा, सोनिया गांधी के खिलाफ किसी ने एक शब्द भी नहीं कहा, लेकिन वह खुद कह रही हैं कि वह पद छोड़ना चाहती हैं और इसलिए एक नए नेतृत्व को जल्दी से पद संभाल लेना चाहिए। थरूर ने मीडिया से कहा, अगर राहुल गांधी पदभार संभालना चाहते हैं, तो यह जल्दी से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस को वापस आना है तो चीजें जल्दी ठीक हो जानी चाहिए और चुनाव का सामना करने के लिए तैयार हो जाना चाहिए और उसके लिए यह अभी होना चाहिए। संयोग से अब तक कांग्रेस पार्टी के विभिन्न संगठन राहुल गांधी को नए अध्यक्ष के रूप में पदभार संभालने की मांग कर रहे हैं। थरूर 23 कांग्रेस नेताओं के समूह का हिस्सा थे, जिन्होंने पिछले साल सोनिया को पत्र लिखकर पार्टी में व्यापक बदलाव के लिए कहा था।

रवींद्र नारायण रवि ने तमिलनाडु के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली

चेन्नई। रवींद्र नारायण रवि ने शनिवार को बनवारीलाल पुरोहित के बाद तमिलनाडु के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली, जिन्हें पंजाब में स्थानांतरित कर दिया गया है। मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव बनर्जी ने यहां राजभवन में रवि को पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, राज्य के मंत्री, के पलानीस्वामी सहित विपक्ष के अन्य नेता मौजूद रहे। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए रवि ने समृद्ध संस्कृति और परंपरा वाले तमिलनाडु के राज्यपाल बनने पर खुशी व्यक्त की। रवि ने कहा कि वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए संविधान का पालन करेंगे और लोगों के विकास के लिए काम करेंगे। पटना में जन्मे रवि ने भौतिक विज्ञान में ग्रेजुएशन की है और भारतीय पुलिस सेवा में आने से पहले नई दिल्ली में एक पत्रकार के रूप में उनका एक छोटा सा कार्यकाल रहा है।

दक्षिणी निगम की अनोखी पहल, खास अवसर पर अपने नाम का पौधा लगा बनायें यादगार

नई दिल्ली। दक्षिणी नगर निगम दिल्ली वासियों को एक ऐसा तोहफा देने जा रहा जिसकी आपने कल्पना नहीं की होगी। अगर आप अपने किसी दोस्त, परिजन के जन्मदिन या अन्य अवसरों पर उन्हें खुश और स्पेशल महसूस कराना चाहते हैं तो आप उनके नाम का एक पौधा लगा सकते हैं। निगम एक अनूठी पहल शुरू करने जा रहा है, इससे आप अपने खुशी के पलों को यादगार बना सकते हैं वहीं इससे पर्यावरण को भी फायदा पहुंचेगा। इसके लिए निगम को आपको 2 हजार रुपये देने होंगे ताकि उस पौधे के लिए ट्री गार्ड लगाया जा सके। वहीं निगम आपके पौधे की आजीवन देखभाल करेगा। साथ ही पौधे को पानी और खाद निगम देगा।

भारत का डीएनए एक है इसलिए पूरा देश भी एक: मुख्यमंत्री

गोरखपुर (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नई थ्योरी में पता चला है कि पूरे देश का डीएनए एक है। यहां आर्य-द्रविण का विवाद झूठा और बेबुनियाद रहा है। भारत का डीएनए एक है इसलिए भारत एक है। आज दुनिया की तमाम जातियां अपने मूल में ही समाप्त होती गई हैं जबकि भारत में फलफूल रही हैं। पूरी दुनिया को भारत ने ही वसुधैव कुटुंबकम का भाव दिया है इसलिए वह श्रेष्ठ है।

मुख्यमंत्री योगी शनिवार को युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 52वीं व राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 7वीं पुण्यतिथि पर आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह का शुभारंभ कर रहे थे। आयोजन के पहले दिन गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में एक भारत- श्रेष्ठ भारत की संकल्पना ही समर्थ भारत का मार्ग प्रशस्त करेगा विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी ऐसा भारतीय नहीं होगा जिसे अपने पवित्र ग्रन्थों वेद, पुराण, उपनिषद, रामायण, महाभारत आदि की जानकारी न हो। हर भारतीय परम्परागत रूप से इन कथाओं को सुनते हुए, उनसे प्रेरित होते हुए आगे बढ़ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी वेद, पुराण या हमारे अन्य ग्रन्थ यह नहीं कहते कि हम बाहर से आए हैं। हमारे ग्रन्थों में आर्य श्रेष्ठ के लिए और अनार्य दुराचारी के लिए कहा गया है। रामायण में माता सीता ने प्रभु श्रीराम की आर्यपुत्र कहकर संबोधित किया है। पर, कुटिल अंग्रेजों ने वामपंथी इतिहासकारों के माध्यम से इतिहास की पुस्तकों में यह पढ़वाया कि तुम आर्य बाहर से आए हो। ऐसे ज्ञान से नागरिकों में आमाता भूमि पुत्रोह्म पृथिव्यां का भाव कैसे पैदा होगा। इतिहास के इस काले अध्याय के जरिये की गई कुत्सित चेष्ठा का परिणाम देश लंबे समय से भुगतता रहा है।

योगी ने कहा कि यही वजह रही कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक भारत-श्रेष्ठ भारत का आह्वान करना पड़ा। आज मोदी जी के विरोध के पीछे एक ही बात है। उनके नेतृत्व में अयोध्या में पांच सौ वर्ष पुराने विवाद का समाधान हुआ है। विवाद खत्म होने से जिनके खाने-कमाने का जरिया बंद हो गया है तो उन्हें अच्छा कैसे लगेगा।

उन्होंने कहा कि समाज जब विस्मृति के चंगुल में फंस जाता है तो वह फरेब का शिकार हो जाता है। भारतीयों के साथ भी यही हुआ। विवाद तो रामजन्मभूमि और ढांचे को लेकर भी खड़ा किया गया। ऐसे में भारतीयों को फरेब के चंगुल से बाहर निकालने को पीएम मोदी ने सबका साथ-सबका विकास और एक भारत-श्रेष्ठ भारत का मंत्र दिया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक समय था जब चीन हमारी सीमाओं पर अतिक्रमण करता था और हम मौन रहते थे। आज सक्षम नेतृत्व ने डोकलाम में चीन को जो करारा जवाब दिया, उसे पूरा विश्व जानता है। आज प्रधानमंत्री जो कहते हैं उसके पीछे 135 करोड़ लोगों का व्यापक समर्थन होता है। ऐसे में दुनिया की कोई भी ताकत भारत के आगे ठहर नहीं पाएगी। आज नेतृत्व की तरह हर क्षेत्र और नागरिकों के आचरण में परिवर्तन देखने को मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिर्फ सरकार के भरोसे जो समाज रहता है, वह स्वावलंबी और आत्मनिर्भर नही हो सकता। समाज को खुद भी आगे आना होगा।

पंजाब के सीएम पद की दौड़ में सुनील जाखड़ सबसे आगे

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व राष्ट्रपति सुनील जाखड़ मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं, सूत्रों ने कहा कि पार्टी आप का मुकाबला करने के लिए चुनाव से पहले गैर सिख चेहरा पेश करना चाहती है, जो राज्य में मजबूत हो रही है।

सूत्रों का कहना है कि पार्टी चुनाव में एक सिख, नवजोत सिंह सिद्धू को राज्य पार्टी प्रमुख और गैर सिख संयोजन के रूप में चाहती है। दूसरा नाम जो सामने आ रहा है वह प्रताप सिंह बाजवा का है। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के प्रेस सचिव ने शनिवार को कहा कि विश्वासघात से आश्चर्यचकित करने वाले लोगों को प्रतिशोध के साथ सदमे के लिए तैयार रहना चाहिए। मुख्यमंत्री और आलाकमान के बीच जारी तनातनी के बारे में बात किए बिना प्रेस सचिव विमल सुंबली ने ट्वीट कर बताया, अगर लोग आपको विश्वासघात से आश्चर्यचकित करते हैं, तो आपको उचित प्रतिशोध के साथ उन्हें सदमे देने का अधिकार है। इस बीच, एआईसीसी के प्रतिनियुक्त पार्टी महासचिव अजय माकन और हरीश चौधरी शाम को होने वाली कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में चंडीगढ़ पहुंच चुके हैं। प्रदेश पार्टी प्रभारी हरीश रावत भी यहां हैं। माना जा रहा है कि सीएलपी की बैठक से चंद घंटे पहले ही आलाकमान ने अमरिंदर सिंह को इस्तीफा देने के लिए कह दिया था ताकि नए पदाधिकारी का चुनाव हो सके।

टीएमसी के मुखपत्र का दावा, राहुल गांधी नहीं ममता बनर्जी हैं नरेंद्र मोदी का इकलौता विकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भले ही 2024 के आम चुनाव में अब भी देरी है लेकिन नरेंद्र मोदी के विकल्प के तौर पर विपक्षी नेता अपनी-अपनी दावेदारी मजबूत करने लगे हैं। यह भी सच है कि जहां एक ओर विपक्ष एकजुटता का दावा कर रहा है तो दूसरी ओर अपने-अपने दल के नेता को मोदी के विकल्प के तौर पर भी पेश किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद हमने देखा किस तरह से ममता बनर्जी राष्ट्रीय नेता के तौर पर उभर कर सामने आई हैं। वह दिल्ली दौरे के दौरान भी लगातार विपक्ष के नेताओं से मिलीं और यह भी दावा किया कि अब वह दिल्ली लगातार आती रहेंगी। इन सबके बीच अब तृणमूल कांग्रेस की मुख्य पत्र जागो बांग्ला में एक लेख छपा है। यह लेख कहीं ना कहीं विपक्षी एकता की हवा निकाल रहा है।

टीएमसी का दावा

सबसे खास बात तो यह है कि इस लेख में पार्टी के लोकसभा सांसद सुदीप बंधोपाध्याय समस्त वरिष्ठ नेताओं के भी बयान शामिल है। टीएमसी की ओर से यह तो कहा गया है कि विपक्ष के खेमे में कांग्रेस का होना जरूरी है मगर राहुल गांधी को कई मौके मिले लेकिन वह विकल्प के तौर पर नहीं उभर पाए। साथ ही साथ टीएमसी ने कहा है कि वह ममता बनर्जी को पीएम मोदी का विकल्प बनाकर देश भर में अभियान चलाएगी। टीएमसी की ओर से यह भी कहा गया है कि यह आकलन पार्टी ने अपने अनुभव के आधार पर किया है। माना जा रहा है कि बंदोपाध्याय संसद की स्टैंडिंग समितियों के सदस्य के रूप में कई राज्यों का दौरा किया है जिसमें उन्हें लगता है कि फिलहाल ममता बनर्जी देश को आगे ले जा सकती हैं।

अभिषेक बनर्जी ने दिया था यह बयान

हाल में ही टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी से दिल्ली में प्रवर्तन निदेशालय ने पूछताछ की थी। प्रवर्तन निदेशालय के पूछताछ के बाद अभिषेक बनर्जी ने दिलचस्प बातें कही थी। अभिषेक बनर्जी ने साफ तौर पर कहा था कि तृणमूल कांग्रेस अब बीजेपी से सीधी लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने कांग्रेस का जिक्र करते हुए कहा था कि बाकियों की तरह 'उनकी पार्टी अपनी रीढ़ की हड्डी नहीं बेचेगी या घरों में छिपेगी।'

विपक्ष को साथ लेकर चलने की कोशिश में राहुल

हाल में ही हमने मानसून सत्र के दौरान देखा कि कैसे राहुल गांधी विपक्ष को साथ लेकर चलने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी की ओर से बुलाई गई बैठक में पहले तो टीएमसी कांग्रेस शामिल होती रही लेकिन बाद में उसने दूरी बना लिया। शुरू में कुछ बैठक में पार्टी के सांसद पहुंचते रहे। टीएमसी के नेता सौगत राय ने कहा था कि हम विपक्ष एकता में विश्वास रखते हैं मगर क्या यह सही नहीं कि एक साझा पहल कोनों पर आधारित हो। टीएमसी संसद के भीतर और बाहर अपनी पोजीशन साफ करते हैं

अधीर रंजन का बयान

टीएमसी के द्वारा ममता बनर्जी को कि विपक्ष का चेहरा बताए जाने पर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने असहमति जताई है। अधीर रंजन चौधरी ने साफ तौर पर कहा कि वह इस बात से सहमत नहीं है। उन्होंने कहा कि इस तरह की चीज से विपक्ष का अभियान कमजोर होगा।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने स्क्रीनिंग कमेटी का गठन किया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को पार्टी के महासचिव जितेंद्र सिंह की अध्यक्षता में स्क्रीनिंग कमेटी का गठन किया। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए स्क्रीनिंग कमेटी गठित की है। कांग्रेस महासचिव जितेंद्र सिंह इस समिति के अध्यक्ष बनाए गए हैं। सांसद दीपेंद्र हुड्डा और महाराष्ट्र सरकार की मंत्री वर्षा गायकवाड़ इसके सदस्य हैं।

पार्टी महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाद्रा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, विधायक दल की नेता अराधना मिश्रा और राज्य में पार्टी के सह-प्रभारी की भूमिका निभा रहे सभी राष्ट्रीय सचिव इस समिति में पदेन सदस्य होंगे। कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी अलग अलग विधानसभा क्षेत्रों से टिकट की दावेदारी करने वालों में से कुछ नाम चुनती है जिन्हें केंद्रीय चुनाव समिति के पास भेजा जाता है। फिर उम्मीदवारों के नाम पर आखिरी मुहर लगती है।

भाजपा से नाराज होकर राजनीति से सन्यास ले चुके बाबुल सुप्रियो ने थामा टीएमसी का दामन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल से हटाए गए भाजपा के पश्चिम बंगाल से लोकसभा सांसद बाबुल सुप्रियो ने भाजपा को बॉय-बॉय कर दिया है। भाजपा सासंद और पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो ने आज पश्चिम बंगाल में तुणमुल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी और पार्टी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन की मौजूदगी में ममता बनर्जी की पार्टी का दामन थाम लिया।

दरअसल , मोदी सरकार के मंत्रिमंडल में हाल ही में हुए फेरबदल में बाबुल सुप्रियो को मंत्रिपद से हटा दिया गया था। मंत्रिपद से हटाए जाने के बाद बाबुल ने उस समय राजनीति से सन्यास लेने का ऐलान कर दिया था। लेकिन भाजपा के बड़े नेताओं को उसी समय से यह अंदाजा हो गया था कि बाबुल पार्टी छोड़ सकते हैं और आखिरकार बाबुल ने इस अंदेशे को सही साबित करते हुए राजनीति से सन्यास लेने की बजाय भाजपा को छोड़कर ममता दीदी के साथ जाने का फैसला किया।

पश्चिम बंगाल से दो बार लोकसभा का चुनाव जीते सुप्रियो उन मंत्रियों की लिस्ट में शामिल थे, जिन्हें 7 जुलाई को एक बड़े फेरबदल के बाद केंद्रीय मंत्रिपरिषद से हटा दिया गया था। पिछले विधानसभा चुनाव में उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के अरूप बिस्वास के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ा था जिसमें उन्हे हार का सामना करना पड़ा था।

आपको बता दें कि शनिवार को ही यह खबर आई थी कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बाबुल सुप्रियो को मिले सुरक्षा कवर को जेड से घटाकर वाई श्रेणी का कर दिया है।

हालांकि बाबुल सुप्रियो के इस नए फैसले के बाद अब देखना यह होगा कि क्या वो भाजपा सांसद के तौर पर लोकसभा से इस्तीफा देंगे या गेंद भाजपा के पाले में डाल देंगे कि वो लोकसभा अध्यक्ष के पास जाकर उनकी सदस्यता रद्द करने की याचिका दायर करे।

दिल्ली सरकार ने निजी निर्माण स्थलों को 14 सूत्री दिशानिर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली सरकार ने सभी निजी निर्माण स्थलों को धूल प्रदूषण रोकने के लिए 14 सूत्री दिशानिर्देशों का पालन करने को कहा है। सरकार ने दिल्ली में निर्माण कार्य में लगी सभी सरकारी एजेंसियों के साथ एक समीक्षा बैठक की और उन्हें 21 सितंबर तक धूल प्रदूषण को रोकने के लिए अपनी कार्य योजना प्रस्तुत करने के लिए कहा। राय ने कहा कि शहर में कई निजी एजेंसियां निर्माण कार्य कर रही हैं। उन्होंने एलएंडटी, शापूरजी, एनबीसीसी, सहित 50 से अधिक ऐसी कम्पनियों के साथ बैठक की।

उन्होंने कहा, ''निजी निर्माण स्थलों को 15 दिनों में धूल प्रदूषण रोकने के लिए 14 सूत्री दिशानिर्देशों का पालन करने को कहा गया है।'' मंत्री ने कहा कि सरकार ने पिछले साल निर्माण कार्यों के दौरान आई परेशानियों पर भी चर्चा की। इन 14 सूत्री दिशा-निर्देशों के तहत निर्माण स्थलों को टिन की चादरों का उपयोग कर चारों ओर से घेरना आवश्यक है।

इसके अलावा, 20 हजार वर्ग मीटर से अधिक बड़े निर्माण स्थल पर 'एंटी-स्मॉग गन' तैनात करना जरूरी है। निर्माण सामग्री लाने वाले वाहनों का भी पूरी तरह ढंका होना जरूरी है। स्थल के निर्माण या उसे ध्वस्त (सी एंड डी) करने के बाद किसी अपष्टि सामग्री का सड़क किनारे ढेर ना लगे। इसके अलावा खुले में पत्थर काटने की भी अनुमति नहीं होगी।

सुभाष चंद्र बोस पर लगा 'अंतरराष्ट्रीय युद्ध अपराधी' का आरोप हटाया जाए: नेताजी की प्रपौत्री

औरंगाबाद। (एजेंसी)।

मथुरा। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रपौत्री एवं अखिल भारत हिन्दू महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष राजश्री चौधरी ने यहां कहा कि यह बेहद दुखद है कि भारत सरकार नेताजी पर लगा अंतरराष्ट्रीय युद्ध अपराधी होने का आरोप सात दशक बीत जाने के बाद भी नहीं हटवा पाई है। उन्होंनेकहा कि यदि सरकार ने इस मामले में ठोस पहल न की तो महासभा खुद संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का दरवाजा खटखटाएगी।

महासभा की अध्यक्ष ने बृहस्पतिवार को वृन्दावन के रामकृष्ण मिशन परिसर स्थित स्वामी विवेकानन्द ऑडिटोरियम में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर यह बातें कहीं। राजश्री ने कहा, हम आजादी की 75वीं सालगिरह मनाने जा रहे हैं लेकिन आज भी आजादी की लड़ाई के प्रमुख क्रांतिकारी नेताजी सुभाषचंद्र बोस पर 'अंतरराष्ट्रीय युद्ध अपराधी' होने का आरोप नहीं हटवा पाए हैं। दुनिया के कई अंतरराष्ट्रीय संगठन उन्हें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से युद्ध अपराधी दर्शाते हैं। जो हम सभी के लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि अखिल भारत हिन्दू महासभा भारत सरकार से इस मामले में अपेक्षित कार्यवाही किए जाने के साथ नेताजी को 'राष्ट्रपुत्र' एवं स्वतंत्रता सेनानी परिवारों को 'राष्ट्र परिवार' घोषित करने की मांग करेगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि गलत इतिहास गढे जाने की वजह से लोग नाथूराम गोडसे को महात्मा गांधी का हत्यारा समझते हैं, जबकि इसके लिए तत्कालीन जवाहरलाल नेहरु सरकार दोषी है। उन्होंने कहा कि गोडसे के गोली मारने के 45 मिनट बाद बापू की मौत हुई थी।

राजश्री ने कहा कि अगर गांधी जी को समय पर उचित इलाज मिलता तो शायद उनकी मौत नहीं होती। राजश्री ने कोरोना वायरस महामारी को जैव रासायनिक युद्ध की उपज बताते हुए इसकी शुरुआत करने वालों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिह्नित कर सजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को युद्ध अपराधी घोषित किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि राजश्री चौधरी नेताजी के भांजे प्रभात सरकार की बेटी स्वप्ना सरकार की पुत्री हैं। प्रभात सरकार नेताजी की बहन स्नेहलता के पुत्र थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूर्व मंत्रियों के आशीर्वाद लेकर नए मंत्रियों ने संभाला अपना कार्यभार

गांधीनगर,गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सरकार के मंत्रियों ने आज पूर्व मंत्रियों के आशीर्वाद लेकर अपना कार्यभार संभाल लिया। जीतु वाघाणी, राघवजी पटेल, ब्रिजेश मेरजा, हर्ष संघवी समेत मंत्रियों ने अपने दफ्तरों में कामकाज शुरू कर दिया है। शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी ने आज से अपने विभाग कामकाज संभाल लिया। शिक्षा मंत्री की ऑफीस में पूर्व शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा ने जीतु वाघाणी को मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया और उन्हें गणेश जी की मूर्ति और पेन भेंट की। जीतु वाघाणी ने भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा का आशीर्वाद लिया। इस मौके पर भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा ने कहा कि उन्हें जीतु वाघाणी से भी ज्यादा खुशी हो रही है। दूसरी ओर गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने भी अपना कार्यभार संभाल लिया। यशस्वी भारत, भगवद् गीता और माय जर्नी विथ एन आइडियोलोजी नामक तीन किताबें लेकर अपने दफ्तर में पहुंचे हर्ष संघवी ने परिवार के साथ पहले पूजा की और बाद में पूर्व गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा के पैर छूकर आशीर्वाद लिए। इस मौके पर राज्य के पुलिस महानिदेशक समेत वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। कृषि मंत्री राघवजी पटेल ने भी आज स्वर्णिम संकुल 1 स्थित अपनी ऑफीस में पूजा-अर्चना कर विधिवत प्रवेश किया और विभाग का कामकाज संभाल लिया। कार्यभार संभालने के बाद राघवजी पटेल ने विश्वास दिलाया कि राज्य के किसान, पशुपालक और गौशालाओं के ट्रस्टियों के लिए हमेशा सकारात्मक रुख के साथ सभी की सहायता के वे प्रयास करेंगे।

प्यार में पागल हुई युवती की साजिश

परिवार को जहरीला परांठा खिलाकर जान से मारने की कोशिश

क्रांति समय दैनिक समाचार

सूरत के डिंडोली इलाके में रहने वाली एक युवती को उसके घर के पास रहने वाले एक स्थानीय युवक से प्यार हो गया. हालांकि, लड़की के पिता ने प्रेमी को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। बिना कुछ सोचे-समझे प्यार में पागल हो चुकी युवती को यह जानकर हैरानी हुई है कि एक हफ्ते पहले उसने अपने माता-पिता और दो भाइयों को जहरीला परांठा खिलाकर मारने की कोशिश की थी. सभी को इलाज के लिए अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है। जहां बच्ची की मां का अभी इलाज चल रहा है. डिंडोली कृष्णाकुंज सोसायटी में रहने वाले दीपकभाई वंजारा ठेके पर काम कर अपना गुजारा करते हैं। वह यहां अपनी पत्नी अंजनाबेन और 18 साल की बेटी खुशबू और 19 साल के बेटे दर्पण के साथ रहते हैं। वह तीन साल पहले इसी सोसायटी में अशोक मोरे के बेटे सचिन के साथ रहने यहां आया करता था। महज 18 साल की उम्र में खुशबू को सचिन से प्यार हो गया था। जब खुशबू के पिता को इस बारे में पता चला तो उसने खुशबू को समझाया और फिर उसने सचिन को रिहा करने का वादा किया। हालांकि, समय के साथ प्यार में पागल हुई खुशबू ने अपने प्रेमी सचिन के साथ घर बसाने के लिए पूरे परिवार का महल निकालने का फैसला किया। खुशबू के पिता ने सपने में भी नहीं सोचा था कि उनकी बेटी उनकी जिंदगी की दुश्मन बन जाएगी। खुशबू ने पिछले १२ सितंबर को पराठा बनाया था और इस पराठे में उन्होंने जी मिचलाने की गोलियां पी रखी थीं. बाद में उसने अपने परिवार के सदस्यों को खाना खिलाकर पूरे परिवार को मारने की कोशिश की। सचिन और अशोक ने उनकी सहायता की। सचिन को बहकाने के लिए पागल हुई खुशबू ने पूरे परिवार को पराठा खिलाया और अगले दिन शादी कर ली। वह 18 साल की उम्र में सचिन के साथ भाग गई और उससे शादी कर ली। डिंडोली पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

मुंबई स्थित अमरीका के महावाणिज्य दूत ने मुख्यमंत्री से की शिष्टाचार भेंट

राज्य में आने वाली नई अमरीकी कंपनियों के साथ सहयोग को तत्पर है राज्य सरकारः मुख्यमंत्री

गुजरात के साथ द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों सहित अन्य क्षेत्रों में सहयोग को उत्सुक है अमरीकाः अमेरिकी महावाणिज्य दूत

क्रांति समय दैनिक समाचार

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से शनिवार को गांधीनगर में मुंबई स्थित अमेरिकी महावाणिज्य दूत डेविज रैंज ने शिष्टाचार मुलाकात की। अमरीका के महावाणिज्य दूत के तौर पर श्री डेविड रैंज के कार्यक्षेत्र में गुजरात और महाराष्ट्र जैसे भारत के पश्चिमी राज्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से मुलाकात से पहले वे केवड़िया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (एसओयू), वडोदरा और अहमदाबाद का दौरा कर गांधीनगर पहुंचे हैं। पटेल ने उन्हें इस बात से अवगत कराया कि स्टैच्यू ऑफ यूनिटी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनूठे विजन से निर्मित दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। उन्होंने आगे कहा कि स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के चलते अब देश ही नहीं वरन विदेशी पर्यटक भी बडी तादाद में आने लगे हैं। उन्होंने कहा कि विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की विशिष्ट सोच के साथ आकार लेने वाला यह एसओयू परिसर स्थानीय लोगों को रोजगार सुलभ कराने वाला एक जनहितकारी स्थल बना है। मुख्यमंत्री ने गुजरात और अमरीका के बीच के व्यापारिक एवं आर्थिक संबंधों के मजबूत सेतु की पृष्ठभूमि में कहा कि गुजरात में अमरीका से 11.36 बिलियन डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है। भूपेंद्र पटेल ने गुजरात में फिलहाल कार्यरत लगभग 120 अमरीकी उद्योगों की संख्या बढ़ाने और आने वाले दिनों में वहां के और भी उद्योग गुजरात में विकसित हों उसके लिए राज्य सरकार के सकारात्मक दृष्टिकोण की तत्परता व्यक्त की। उन्होंने गुजरात की वैश्विक पहचान बन चुकी वाइब्रेंट समिट तथा गुजरात में आगामी मार्च-22 में आयोजित होने वाले डिफेंस एक्सपो में अमरीकी उद्योगों एवं प्रतिनिधिमंडलों को साझेदारी का आमंत्रण दिया। उन्होंने अमरीकी कंपनियों से सेमीकंडक्टर के उत्पादन के लिए भी गुजरात में उत्पादन इकाइयां शुरू करने को आगे आने का अनुरोध किया।

अमरीका के महावाणिज्य दूत डेविड रैंज ने गुजरात के साथ व्यापारिक एवं वाणिज्यिक संबंधों तथा गुजरात में कार्यरत अमरीकी कंपनियों के प्रति सरकार के सकारात्मक दृष्टिकोण के लिए आभार व्यक्त किया। डेविड ने गुजरात के साथ विशेषकर गुजरात-अमरीका के बीच व्यापारिक और आर्थिक द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सहभागिता के अलावा क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों से निपटने के लिए साझेदारी और सामाजिक क्षेत्रों में सशक्तिकरण के लिए अमरीका के योगदान को लेकर उत्सुकता दिखाई। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भी उनकी इन क्षेत्रों में योगदान की तत्परता का स्वागत करते हुए सराहना की।

भूपेंद्रभाई पटेल ने अमेरिकी महावाणिज्य दूत को खास तौर पर कच्छ में आकार ले रहे 30 हजार मेगावाट क्षमता के हाइब्रिड एनर्जी पार्क और गांधीनगर स्थित गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में बड़ी संख्या में अमरीका की बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थाओं की भागीदारी का न्योता दिया।

रविवार से राज्य में भारी से अतिभारी बारिश का अनुमान

क्रांति समय दैनिक समाचार

गुजरातभर में बरसाती माहौल के बीच मौसम विभाग ने रविवा से राज्य में फिर एक बार भारी से अतिभारी बारिश का अनुमान व्यक्त किया है। जारी महीने में राज्यभर में हुई अच्छी बारिश से जलाशयों के छलक गए हैं और जल संकट का खतरा टल गया है। हांलाकि राज्य में अब भी मौसम की 20 प्रतिशत बारिश की कमी है। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी दिनों में बारिश की कमी हो सकती है। 19 सितंबर से 21 सितंबर तक राज्य के कई जिलों में भारी बारिश हो सकती है। उत्तर गुजरात, मध्य गुजरात में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है। साइक्लोनिक सिस्टम के सक्रिय होने से अरवल्ली, पाटन, साबरकांठा, खेडा, साणंद, नडियाद, अहमदाबाद, गांधीनगर इत्यादि अच्छी बारिश होने का अनुमान है। सौराष्ट्र में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। भारी से अतिभारी बारिश को देखते हुए 20 और 21 सितंबर को समुद्र में नहीं जाने की मछुआरों को हिदायत दी गई है।

ननीहाल में खेल रहे ढाई साल के बच्चे की पानी की टंकी में गिरकर मौत

बनासकांठा,जिले के देलवाडा में ढाई साल के एक बच्चे की पानी की टंकी में गिरकर मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब बच्चा अपने मामा के घर खेल रहा था। मासूम बच्चे की मौत से परिवार में मातम पसर गया। जानकारी के मुताबिक ढाई साल प्रीन्स अपने मामा के घर के निकट खेल रहा था। खेलते खेलते प्रीन्स पानी की टंकी में गिर गया और पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब प्रीन्स की माता अंबाजी में ड्यूटी पर थी। प्रीन्स की मां पुलिसकर्मी है। भादौ पूर्णिमा के चलते अंबाजी मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है, जिसे देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई

गणेश विसर्जन की वीडियो बना कर भेजे सिर्फ अपने घर पर विसर्जित करते हुए

अंबाजी जा रहे तीन पदयात्रियों की मौत, मृतकों में दो किशोर और एक किशोरी

बनासकांठा,उत्तरी गुजरात स्थित अंबाजी में भादौ पूर्णिमा को मेला है, जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु जमा होते हैं। लेकिन कोरोना महामारी के कारण पिछले की तरह इस वर्ष भी अंबाजी का मेला रद्द कर दिया गया है। इसके बावजूद अंबाजी जानेवाली सड़कों पर पदयात्रियों का सैलाब उमड़ पड़ा है। ऐसे में अंबाजी के निकट राणपुर के निकट हिट एन्ड रन की घटना में दो किशोर और एक किशोरी की घटनास्थल पर मौत हो गई। जबकि दो किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार की देर पदयात्रियों का समूह अंबाजी की ओर बढ़ रहा था। रात करीब 3 बजे अज्ञात वाहन ने चार किशोर और एक किशोरी को अपनी चपेट में ले लिया। हिट एन्ड रन की इस घटना में 16 वर्षीय नरेश बचुभाई डामोर, 15 वर्षीय हरिश शंकरभाई डामोर और 12 वर्षीय रेशमी भोई की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

जबकि 14 वर्षीय इंद्र सोमाजी तबियाड और 12 वर्षीय राकेश डामोर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। तीनों में मृतक और घायल किशोर-किशोरी अंबाजी के दर्शन करने पैदल जा रहे थे।

परिवर्तन नव युवक मंडल, वांज (भारत फलियू)

ओम नगर

महादेव नगर

उधना

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेलः-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईलः-987914180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेलः-krantisamay@gmail.com